website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 131 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार, 21 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

चुनाव आयुक्त को हटाने की कोशिश में फिर जुटा विपक्ष

दोबारा नोटिस देंगे, मार्च में एक बार खारिज हो चुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष एक बार फिर कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, कई विपक्षी दलों के नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं। करीब पांच सीनियर लीडर एक नए नोटिस का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहे हैं, ताकि हटाने की कार्यवाही शुरू की जा सके। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें टाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते। नए नोटिस में विपक्ष कम से कम 200 सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसकी बड़ी वजह हाल ही में लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण संशोधन बिल है।

विवाह संस्कार हमारी संस्कृति में सबसे महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक

मुख्यमंत्री ने हामूखेड़ी में सामूहिक विवाह सम्मेलन में 23 जोड़ों को दिया आशीर्वाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सामूहिक विवाह समाज में समानता, सादगी और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का एक अनुकरणीय माध्यम है। आज अक्षय तृतीया का पावन अवसर है। इस मौके पर किए गए किसी भी शुभ कार्य का फल अक्षय होता है। आज का यह दिन सभी नव-विवाहित जोड़ों के लिए अत्यंत शुभ और मंगलकारी सिद्ध हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विवाह संस्कार हमारी संस्कृति में सबसे महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक है। सामूहिक विवाह से न केवल धन की बचत होती है, बल्कि सभी को एक साथ अपनी खुशियों को साझा करने का अवसर भी मिलता है। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता और सद्भाव का संदेश देते हैं। उन्होंने आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारी का उल्लेख करते हुए कहा कि उज्जैन शहर में कई विकास कार्य चल रहे हैं, जिनसे शहर की नई छवि उभरेगी और यह समृद्धि का प्रतीक बनेगा। उन्होंने ईश्वर से कामना की कि यहां के हर घर में सुख, शांति और वैभव बना रहे। रविवार को अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हामूखेड़ी देवास रोड में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान 23 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच पर पहुंचकर सभी नव-दंपतियों को व्यक्तिगत रूप से आशीर्वाद दिया, उनके सिर पर पुष्प वर्षा की तथा उन्हें सुखद, समृद्ध और मंगलमय वैवाहिक जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

महिला आरक्षण के समर्थन में आज बीजेपी की आक्रोश रैली

भोपाल स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिला आरक्षण बिल को लेकर कहा कि लोकतंत्र एक निर्णायक दौर से गुजर रहा है और संसद में जो घटनाक्रम हुआ, वह बेहद निंदनीय और कष्टकारी है। बता दें कि महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संविधान का 131वां संशोधन बिल मोदी सरकार लोकसभा में पास नहीं करा पाई। सीएम यादव ने आगे कहा कि द्रौपदी का चीरहरण तो हमने 5000 साल पहले का सुना था, लेकिन बहनों की इज्जत के साथ खेलने का घटनाक्रम संसद में जिस प्रकार हुआ, वह हमारे लिए अत्यंत कष्टकारी और निंदनीय है। प्रधानमंत्री मोदी जी और अमित शाह जी ने प्रस्तावक बनकर जो निर्णय लिया, उसमें शुरुआत से ही हर दल को सुझाव देने का अवसर दिया गया।

पर्यटकों की पसंद में आया बड़ा बदलाव

गंगटोक से लेकर यूरोप तक युवाओं की बदली पसंद

ईरान-यूएस युद्ध के असर ने पर्यटकों का रुख मोड़ा

रोहतक (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण वैश्विक तनाव, युद्ध के माहौल के बीच यात्रियों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक ओर लोग गंगटोक, गोवा, केरल और दार्जिलिंग जैसे घरेलू पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूरोप, दक्षिण अफ्रीका की बुकिंग में उछाल आया है। इसके पीछे बड़ी वजह युद्ध के कारण पैदा हुई

अस्थिरता और सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता है। जो गंतव्य पहले ज्यादा लोकप्रिय नहीं थे, वे अब तेजी से यात्रियों की पसंद बनते जा रहे हैं। ट्रैवल एजेंसी के मालिक रोहित खुराना ने बताया कि इस सीजन में यूरोप के देशों इटली, फ्रांस, स्विट्जरलैंड और फिनलैंड के लिए करीब 200 से 300 एडवांस बुकिंग हो चुकी हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के लिए भी 40 से 50 बुकिंग की गई हैं।

घरेलू पर्यटन को मिला बढ़ावा

लोग लग्जरी क्रूज का अनुभव लेने के लिए दुबई जाना पसंद करते थे, अब सुरक्षा व खर्च को देखते हुए देश में ही क्रूज यात्रा को प्राथमिकता दी जा रही है। कम लागत, आसान पहुंच और सुरक्षित माहौल के चलते लोग अब दुबई की बजाय देश में ही लग्जरी क्रूज जैसा अनुभव लेना पसंद कर रहे हैं।

कहीं स्कूल बंद तो कहीं बदला टाइम, उत्तर से दक्षिण तक बदलाव

पूरे देश में गर्मी का कहर, स्कूलों पर असर

- **महाराष्ट्र के वर्धा और छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में तापमान 45 पार**

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों और मध्य भारत में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। शनिवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और महाराष्ट्र के वर्धा में तापमान 45 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। शनिवार को देश के 10 सबसे गर्म शहरों में यूपी का बांदा 44.6, तेलंगाना का आदिलाबाद 44.3, महाराष्ट्र के नागपुर-अमरावती 44.2 और मध्य प्रदेश का रतलाम 44 डिग्री भी शामिल रहा। राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कई शहरों में तापमान 43 से ज्यादा रहा। यानी मई से पहले ही तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हो गई है। देशभर में भीषण गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। हीटवेव ने लोगों की मुसिबत बढ़ा दी है। पारा 40 डिग्री से पार पहुंच गया है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में यह जल्द 44 डिग्री को छू लेगा। कई राज्यों ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कदम उठाए हैं।

ओडिशा में छुट्टी, केरल में स्पेशल क्लासेस भी बंद

ओडिशा के कई जिलों में भीषण गर्मी की वजह से बंद करने का फैसला लिया गया है। इनमें बलांगीर, सुबरनापुर और कालाहांजी शामिल हैं। इन जिलों में 18 से 21 अप्रैल तक स्कूल और कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। इसके अलावा राज्य सरकार ने पहले ही स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव किया है। स्कूल अब सुबह 6.30 बजे से 10.30 बजे तक खोले जा रहे हैं। ताकि बच्चे दोपहर को पड़ने तेज गर्मी से सुरक्षित रह सकें और ठीक समय पर घर पहुंच जाएं। गर्मी का प्रकोप बढ़ने के बाद केरल सरकार ने सभी स्कूलों में समर वेकेशन घोषित कर दिया है। साथ ही गर्मी की छुट्टियों में स्पेशल क्लासेस को लेकर सख्ती दिखाई है।

छत्तीसगढ़ में स्कूल बंद एमपी में नई टाइमिंग

छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में पड़ रही भीषण गर्मी के चलते स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। राज्य सरकार ने सभी

सरकारी, प्राइवेट और सहायता प्राप्त स्कूलों में 20 अप्रैल से 15 जून 2026 तक गर्मी की छुट्टियां घोषित कर दी हैं। मध्य प्रदेश के सतना जिले में गर्मी के चलते स्कूलों की टाइमिंग बदली गई है। अब सभी स्कूल सुबह 7.30 बजे खुलेंगे और दोपहर 12.30 बजे तक चलेंगे।

झारखंड में सुबह 6.45 बजे खुलेंगे स्कूल

अनएडेड स्कूल्स एसोसिएशन के एक निर्देश के अनुसार, सोमवार से सभी संबद्ध प्राइवेट स्कूलों में नया समय लागू करना अनिवार्य है। राज्य के सभी प्राइवेट स्कूलों में सुबह 6.45 बजे अपनी क्लास शुरू करनी होगी और 11.30 बजे खत्म करनी होगी। उम्मीद है कि इस कदम से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि बच्चे दोपहर से पहले, जब गर्मी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, अपने घर लौट आएं।

चारधाम यात्रा का हुआ शंखनाद गंगोत्री-यमुनोत्री के खुले कपाट

- **बाबा केदार के दर्शन के लिए करना होगा बस थोड़ा और इंतजार**

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर रविवार को उत्तराखंड की पहाड़ियों में शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ चारधाम यात्रा का आगाज हो गया है। उत्तरकाशी जिले में स्थित मां गंगा और मां यमुना के धामों गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट सुबह शुभ मुहूर्त में श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलते ही

हजारों भक्तों ने मां के दर्शन कर अक्षय पुण्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। वैदिक पंचांग को देखते हुए 22 अप्रैल, 2026 को केदारनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। वहीं, 23 अप्रैल, 2026 को बद्रीनाथ धाम के द्वार भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे।

गंगोत्री और यमुनोत्री का धार्मिक महत्व

चारधाम यात्रा की शुरुआत पारंपरिक रूप से यमुनोत्री से होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यमुना जी सूर्य की पुत्री और यमराज की बहन हैं। माना जाता है कि जो व्यक्ति यमुनोत्री के शीतल जल में स्नान करता है, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता और यम की प्रताड़ना से मुक्ति मिलती है।

- **पीएम मोदी की रैली के बाद ममता-अखिलेश का पलटवार**

महिला आरक्षण: पक्ष-विपक्ष के हमले हुए तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक से जुड़ा संशोधन पास नहीं हो पाया। इसके बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा विपक्ष पर हमलावर है। पीएम मोदी ने संशोधन के ना पास होने के लिए मुख्य तौर पर कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बंगाल के बांकुरा में बड़ी जनसभा थी और उसमें उन्होंने टीएमसी पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपने देखा संसद में क्या हुआ। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकार वाले विधेयक को विपक्ष ने गिरा दिया।

पीएम मोदी ने ममता सरकार को बताया निर्मम

पीएम मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े संशोधन को गिराना टीएमसी और कांग्रेस की सोची समझी चाल है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं के साथ टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्वासघात किया है। पीएम मोदी ने बंगाल की ममता सरकार को निर्मम बताया और कहा कि यहां पर जो जनसमर्थन दिख रहा है, वह सरकार के खिलाफ गुस्से का संकेत है। महिला आरक्षण का जिक्र कर पीएम मोदी ने कहा महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की लंबे समय से मांग थी।

ममता ने पीएम मोदी पर किया पलटवार

हालांकि पीएम मोदी के बयान के बाद बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पलटवार किया और पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने देश को ईमानदारी से संबोधित करने के बजाय गुमराह करना चुना। मैं यह बात रिकॉर्ड पर रखना चाहती हूं। तृणमूल कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के लिए ज्यादा राजनीतिक प्रतिनिधित्व की वकालत की है। संसद और राज्य विधानसभा, दोनों में हमारे चुने हुए महिला प्रतिनिधियों का अनुपात सबसे ज्यादा है। लोकसभा में हमारे चुने हुए सदस्यों में से 37.9 फीसदी महिलाएं हैं। राज्यसभा में हमने 46 फीसदी महिला सदस्यों को नामित किया है। महिला आरक्षण का विरोध करने का सवाल ही नहीं उठता और न कभी उठा है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम जिस बात का मूल रूप से विरोध करते हैं, वह है परिसीमन की प्रक्रिया। वहीं अखिलेश यादव ने भी पीएम के बयान पर विरोध जताया है और खुद को महिला हितैषी बताया है।

बांग्लादेश में नए राजदूत होंगे दिनेश त्रिवेदी

- **पश्चिम बंगाल चुनाव के बीच मोदी सरकार का बड़ा दांव**

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बीच मोदी सरकार ने एक तगड़ा दांव खेला है। केंद्र पूर्व केंद्रीय मंत्री, बीजेपी नेता और बैरकपुर से सांसद दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का हाई कमिश्नर बनाकर भेज सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय बाद पड़ोसी

देश में पहले राजनीतिक नियुक्त व्यक्ति के तौर पर त्रिवेदी करियर डिप्लोमैट प्रणय वर्मा की जगह लेंगे। प्रणय वर्मा अब ब्रसेल्स जाकर भारत के राजदूत का पद संभालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक त्रिवेदी के लिए ढाका में तारिक रहमान सरकार से सहमति मांगी जाएगी। 75 वर्षीय अनुभवी राजनेता को बांग्लादेश में भारत के दूत के तौर पर भेजने का फैसला विदेश मंत्रालय के राजनयिकों के लिए जवाबदेही का एक संदेश भी है।

- **ईरान बोला-होर्मुज से हमारे जहाज नहीं निकले तो किसी के नहीं गुजरने देंगे**

यूएस पर विश्वास नहीं, हम जवाबी कार्रवाई को तैयार

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान ने कहा है कि उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं है। संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर ने कहा कि हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। इसी वजह से सेना पूरी तरह तैयार है। शनिवार रात दिए बयान में गालिबाफ ने कहा कि अगर ईरान के जहाज होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजर पाए, तो किसी और देश के जहाजों को भी वहां से गुजरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकेबंदी को गलत और लापरवाह फैसला बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहा है। गालिबाफ ने चेतावनी दी कि होर्मुज में माइन-क्लियरिंग जैसी किसी भी कार्रवाई को सीजफायर का उल्लंघन माना जाएगा और इसका जवाब दिया जाएगा।

होर्मुज से 2 और जहाज वापस लौटे

होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही रविवार को लगभग पूरी तरह ठप है। शिप ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, फारस की खाड़ी से बाहर निकल रहे एलपीजी के दो टैंकर बीच रास्ते से ही वापस लौट गए। एजेंसी के मुताबिक, मेडा और जी समर नाम के ये दो जहाज इस रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। मेडा एक भारतीय कंपनी का जहाज है, जो शनिवार देर रात यूएई के पास से निकला था, जबकि जी समर चीन का जहाज है, जो कुवैत से रवाना हुआ।

ईरान का दावा- जासूसी नेटवर्कका भंडाफोड़ किया

ईरान की खुफिया एजेंसी ने कहा है कि उसने अमेरिका, इजराइल और ब्रिटेन से जुड़े जासूसी और साजिश नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई दक्षिण-पूर्वी ईरान के केरमान शहर में की गई। अल जजीरा के मुताबिक, खुफिया जानकारी जुटाने, हथियारबंद संगठन बनाने और अशांति भड़काने के आरोप में 51 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही, कई जासूसी नेटवर्क और उनसे जुड़े समूहों की पहचान कर उन्हें खत्म करने का भी दावा किया गया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि उनका देश युद्ध नहीं चाहता और सिर्फ आत्मरक्षा में कदम उठा रहा है।

सागर मिशन पर एक साथ निकले 16 देशों के नौसैनिक

- **थाईलैंड से ऑपरेशनल तैनाती पर बढ़ा आईएनएस सुनयना**

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुनयना थाईलैंड के फुकेत से अपने अगले मिशन के लिए रवाना हो गया है। वह इंडियन ओशन शिप सागर मिशन के तहत वहां तीन दिनों के दौरे पर था। इससे पहले उसने मालदीव के माले अपनी पहली ऑपरेशनल तैनाती पूरी की थी। फुकेत में अपने तीन दिनों ठहराव के दौरान आईएनएस सुनयना ने थाईलैंड की रॉयल थाई नेवी के साथ कई अहम गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके बाद 17 अप्रैल को अपने अगले ऑपरेशनल तैनाती के लिए रवाना हो गया। इसमें पेशेवर बातचीत, संयुक्त

अभ्यास और आपसी तालमेल बढ़ाने के कार्यक्रम शामिल थे। इन गतिविधियों का मकसद दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच सहयोग को मजबूत करना और समुद्री सुरक्षा के मुद्दों पर बेहतर समन्वय बनाना था। इस दौरान जहाज के कमांडिंग ऑफीसर कमांडर सिद्धार्थ चौधरी ने थाईलैंड नौसेना के तीसरे चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल सथापोर्न वजारत से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, सहयोग और भविष्य में संयुक्त अभियानों को लेकर चर्चा हुई। इससे पहले यह जहाज अपनी पहली ऑपरेशन तैनाती के लिए मालदीव पहुंचा था। माले की यात्रा के दौरान जहाज पर सवार अंतरराष्ट्रीय दल ने समुद्री कौशल, छोटे हथियारों के संचालन और क्षति नियंत्रण से जुड़े गहन प्रशिक्षण अभ्यास किए।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

युद्ध विराम के बाद ट्रम्प और नेतन्याहू के लिए कुर्सी बचाना मुश्किल

अमेरिका इजराईल और ईरान के बीच 40 दिन तक ऐतिहासिक युद्ध हुआ। इस युद्ध में अमेरिका ने अपना विश्व शक्तिमान का ओहदा खो दिया। जिस अमेरिका का आदेश विश्व का कोई भी देश नहीं मानने की हिम्मत नहीं रखता था, आज कमजोर और छोटे देश उसको इस युद्ध के बाद आंख दिखाने लगे हैं। इजराईल का बुरा हाल अमेरिका से भी ज्यादा है। इजराईल ने पूर्व पश्चिम एशिया में एक ऐसी छवि बनाली थी जिसके कारण मुस्लिम देश इजराईल से खौंप खाते थे। इजराईल ने फिलिस्तीन में लाखों बच्चों, महिलाओं और मर्दों को मौत के मुंह उतार दिया। इससे पहले भी मुस्लिम देशों में समय-समय पर इजराईल हमले करके भय बनाए रखा। इस युद्ध के बाद इजराईल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। जो इजराईल अपने पड़ोसी देशों की सीमाओं को क्ब्जायें जाने के लिए विख्यात था आज वही इजराईल अपनी स्वयं की सीमाओं को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। इजराईल और अमेरिका के राष्ट्रध्यक्षों ने मिलकर ईरान पर भयंकर हमले किए और ईरान को पूरी तरह बर्बाद करने वहां रिजीम चेंज करने की बडी कोशिश की। लेकिन अमेरिका इजराईल यह सब करने में फेल हो गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एपिस्टीन फाईल के विवादों के कारण अमेरिका में जनता का बड़ा विरोध झेल रहे हैं। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपिस्टीन फाइलों के कारण हो रहे विरोध को दबाने के लिए ईरान पर आक्रमण को तैयार हुए थे। इजराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने डोनाल्ड ट्रंप की मजबूरी का पूरा फायदा उठाया और ट्रंप को ब्लैकमेल किया। लेकिन बिना किसी कारण के ईरान पर आक्रमण करना अमेरिका और इजराईल दोनों को भारी पड़ गया। अमेरिका इजराईल को ईरान ने इस युद्ध में कभी नहीं भूलने वाली पिटाई की। यही कारण है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। माना जा रहा है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की कुर्सी तब तक ही बची हुई है जब तक ईरान से युद्ध चल रहा है। जैसे ही युद्ध समाप्त होगा, अमेरिकी जनता डोनाल्ड ट्रंप से कुर्सी छीन लेगी । इसी तरह इजराईल के प्रधानमंत्री पर भी इजराईल की अदालतों में मुकदमें चल रहे हैं । प्रधानमंत्री बेंजामिन की कुर्सी युद्ध के कारण बची हुई है। जैसे ही युद्ध बंद होगा प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपने ही देश में सलाखों के पीछे होंगे। यह युद्ध देशों के बीच जरूर है, लेकिन यह युद्ध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की और इजराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की करतूतों को छुपाने के लिए किया गया है। इन दोनों राष्ट्र अध्यक्षों ने अपनी सनक और नफरत और बुरी आदतों के चलते अपने-अपने देशों को बर्बाद कर दिया। दूसरी तरफ ईरान को इस युद्ध से बड़ा फायदा होने वाला है। ईरान पर 40 वर्षों से चले आ रहे आर्थिक प्रतिबंध एक तरह से समाप्त हो गए हैं। क्योंकि अमेरिका अब अपनी मनमानी करने की स्थिति में नहीं है। जबकि ईरान के लिए व्यापार के सभी रास्ते खुलते नजर आ रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में भरोसा पत्र बनाम इश्तेहार

विधानसभा चुनाव-2026

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

पीएम मोदी ने बांग्ला भाषा में 'एई शब, चोलबे ना (यह सब अब नहीं चलेगा) का नारा देते हुए कहा कि जैसे बंगाल ने अंग्रेजों, कांग्रेस और लेफ्ट के अहंकार को तोड़ा था, वैसे ही अब टीएमसी का अहंकार चूर-चूर होगा। उन्होंने कहा कि टीएमसी अब लेफ्ट की 'कार्बन कॉपी' बन गई है। कट-कमीशन, जबरन वसूली और वोट के लिए हिंसा का दौर अब खत्म होने वाला है। सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा देते हुए प्रधानमंत्री ने ऐलान किया कि बंगाल में बीजेपी सरकार बनने पर 45 दिनों के भीतर सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि केंद्रीय कर्मचारियों की तरह बंगाल के कर्मी भी बढ़े हुए डीए और भविष्य में आठवें वेतन आयोग के हकदार होंगे। भाषण के आखिर में उन्होंने पहचान और सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में घुसपैठ और तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है, जिससे जनसांख्यिकी और सांस्कृतिक पहचान प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की पहचान बचाने का है। घोषणापत्र के नाम चाहे कुछ भी हो लेकिन जनता को असल मतलब केवल वादों से हैं, जो इस घोषणापत्र में बीजेपी और टीएमसी ने किए हैं। अहम बात यह भी है कि बंगाल का इस बार...

जैसे-जैसे पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान की तारीख नजदीक आ रही है। वैसे वैसे वहां का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। बीजेपी और टीएमसी दोनों ही राजनीतिक दलों ने बंगाल की जनता को लुभाने के लिए अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। बीजेपी ने अपने घोषणापत्र का नाम भरोसा पत्र रखा है, जबकि टीएमसी ने अपने मेनिफेस्टो का नाम इश्तेहार रखा है। हालांकि, टीएमसी के घोषणापत्र का नाम इश्तेहार रखने के मुद्दे पर भी काफी सवाल उठे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक ने इसको निशाना बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के जंगीपुर में एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल अब बदलाव के लिए तैयार है और बीजेपी का संकल्प पत्र सिर्फ चुनावी वादा नहीं, बल्कि टीएमसी के महाजंगलराज और सिंडिकेट राज के अंत का शंखनाद है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत बीजेपी के संकल्प पत्र से करते हुए कहा कि 4 मई के बाद बनने वाली बीजेपी की नई सरकार में विकास की 6 बड़ी गारंटियां लागू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हमारा घोषणापत्र केवल चुनावी वादा नहीं है, बल्कि यह बंगाल के भविष्य का रोडमैप है। अब बंगाल में डर और भय का नहीं, बल्कि अवसरों का युग शुरू होगा। महिलाओं को लेकर उन्होंने कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार बनते ही महिलाओं के खाते में हर महीने 3000 रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे और सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों मिलेगी। युवाओं और शिक्षा पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में एम्स, आईआईटी और आईआईएम जैसे बड़े संस्थान स्थापित किए जाएंगे। इससे बंगाल के युवाओं को बेहतर शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि बहुत खेला हो चुका है। अब 4 मई के बाद ये भ्रष्टाचारी भागते नजर आएंगे। जनता का हक खाने वालों के लिए रेड कारपेट नहीं, बल्कि जेल के दरवाजे खुलेंगे। उन्होंने संदेशखाली और आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि बंगाल की जनता बलात्कारियों को बचाने वाली सरकार को कभी माफ नहीं करेगी। पीएम मोदी ने बांग्ला भाषा में 'एई शब, चोलबे ना (यह सब अब नहीं चलेगा) का नारा देते हुए कहा कि जैसे बंगाल ने अंग्रेजों, कांग्रेस और लेफ्ट के अहंकार को तोड़ा था, वैसे ही अब टीएमसी का अहंकार चूर-चूर होगा। उन्होंने कहा कि टीएमसी अब लेफ्ट की 'कार्बन कॉपी' बन गई है। कट-कमीशन, जबरन वसूली और वोट के लिए हिंसा का दौर अब खत्म होने वाला है। सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा देते हुए प्रधानमंत्री ने ऐलान किया कि बंगाल में बीजेपी सरकार बनने पर 45 दिनों के भीतर सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि केंद्रीय कर्मचारियों की तरह बंगाल के कर्मी भी बढ़े हुए डीए और भविष्य में आठवें वेतन आयोग के हकदार होंगे। भाषण के आखिर में उन्होंने पहचान और सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में घुसपैठ

और तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है, जिससे जनसांख्यिकी और सांस्कृतिक पहचान प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की पहचान बचाने का है। घोषणापत्र के नाम चाहे कुछ भी हो लेकिन जनता को असल मतलब केवल वादों से हैं, जो इस घोषणापत्र में बीजेपी और टीएमसी ने किए हैं। अहम बात यह भी है कि बंगाल का इस बार का विधानसभा चुनाव मुख्य रूप से कल्याणकारी योजनाओं और अस्मिता की लड़ाई बनता जा रहा है। चलिए दोनों ही राजनीति दलों के घोषणापत्र में किए गए अहम मुद्दों का तुलना करते हैं। महिलाओं का वोट बंगाल में निर्णायक भूमिका निभाता है और इसे टीएमसी का कोर वोटर माना जाता है, जिसे लुभाने के लिए बीजेपी ने काफी कोशिश की है, जिसमें डीबीटी का दांव भी चला गया है। ममता कार्ड की काट के रूप में बीजेपी ने मध्यम और गरीब वर्ग की महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह देने का वादा किया है। साथ ही, राज्य पुलिस और सरकारी नौकरियों में 33 फीसदी आरक्षण की बात कही है। ममता बनर्जी की लक्ष्मी भंडार योजना पहले से ही गेम चेंजर रही है। टीएमसी ने इस राशि को और बढ़ाने और इसे घर-घर तक पहुंचाने की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराया है। बीजेपी ने यहां अपने कोर एजेंडे को बंगाल के स्थानीय मुद्दों से जोड़ा है। बीजेपी की ओर से गृह मंत्री अमित शाह ने वादा किया है कि सरकार बनने के छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। साथ ही,जीरो टॉलरेंस नीति के तहत घुसपैठ रोकने का आश्वासन दिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने घुसपैठियों को वापस भेजने तक की बात कही है। तृणमूल कांग्रेस यूसीसी के मुद्दे पर मुखर विरोध में है और इसे संघीय ढांचे और सांस्कृतिक विविधता के खिलाफ बताती है। अहम बात यह है कि बंगाल के विधानसभा चुनाव के लिए जारी दोनों ही राजनीतिक दलों के घोषणापत्र में बड़ा मुद्दा है। बीजेपी ने बेरोजगार युवाओं को 3,000 रुपये मासिक भत्ता देने और सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता लाने का वादा किया है। साथ ही, सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर 7वां वेतन आयोग लागू करने का संकल्प लिया है। वहीं टीएमसी की 10 प्रतिज्ञाओं में युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के लिए आर्थिक सहायता और कौशल विकास पर जोर दिया गया है। बीजेपी ने केंद्र की आयुष्मान भारत योजना को बंगाल में पूरी तरह लागू करने का वादा किया गया है, जिसे वर्तमान सरकार ने रोक रखा था। टीएमसी ने दरवाजे पर स्वास्थ्य और मुफ्त इलाज की अपनी मौजूदा योजनाओं को और विस्तार देने की प्रतिज्ञा की है। बीजेपी ने पीएम किसान सम्मान निधि के 6,000 रुपये के अलावा राज्य की ओर से 3,000 रुपये अतिरिक्त देने का वादा किया गया है। टीएमसी ने किसानों को वित्तीय सहायता और सिंचाई की बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ 7 नए जिले बनाने की बात कही है ताकि प्रशासनिक पहुंच बढ़े।

आधी दुनिया

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सत्ता में महिलाओं की भागीदारी वैश्विक औसत से बहुत दूर

संसद में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण का बिल गिरने के साथ ही देश में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर नई बहस छिड़ गई है। जहां एक और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी ओर विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताया है। हालांकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर, यह अलग बहस का विषय हो सकता है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सत्ता में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामलें में हम दुनिया के देशों से अभी काफी पीछे चल रहे हैं। दुनिया के 190 देशों के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो हमारे देश का स्थान 147वां आता है। दुनिया के देशों में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक स्तर औसत 27.5 फीसदी है। 30 महिला राष्ट्राध्यक्ष हैं तो दुनिया के केवल 8 देश ही ऐसे हैं, जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आज हम महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी की बात कर रहे हैं, वहीं इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं, जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। एक मोटे अनुमान के अनुसार हालिया चुनावों में 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी 19 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणा पत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश या अन्य प्रदेशों में लखपति दीदी या इसी तरह के नाम से मिलती-जुलती योजनाओं में राशि उपलब्ध कराने की रणनीति महिला वोटों को अपनी ओर करने की रही है। यह दूसरी बात है कि इसका लाभ किस पार्टी को अधिक मिला। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहें या महिलाओं को आगे लाने की कितनी भी बात करें, पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक बढ़ नहीं पाई है। 2009 की 15वीं लोकसभा के पहले तक तो हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी आगे नहीं पहुंचा था। 15वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही। जहां तक राजनीतिक दलों की बात है तो भले ही महिला आरक्षण बिल का अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के साथ तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष में मतदान किया पर लोकसभा और राज्य सभा में टीएमसी दल की महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है। जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है तो उसकी भागीदारी 14.3 प्रतिशत और बीजेपी की भागीदारी 12.9 प्रतिशत है। अन्य दलों की भी कमोबेश यही स्थिति है। राज्यों ककी बात करें तो इस समय देश में सर्वाधिक महिला सदस्य छत्तीसगढ़ विधानसभा में हैं। छत्तीसगढ़ में कुल सदस्यों में 21.1 प्रतिशत महिला सदस्य हैं।

त्रिपुरा में 15 प्रतिशत महिला सदस्य हैं। बाकी देश के अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत महिलाएं भी विधानसभा की सदस्य नहीं हैं। नागालैंड देश का ऐसा प्रदेश है, जहां सबसे कम महिला सदस्य हैं। कर्नाटक जैसे राज्य में भी पांच प्रतिशत से कम महिला विधानसभा सदस्य हैं। इससे यह तस्वीर साफ हो जानी चाहिए कि जब तक संवैधानिक बाध्यता नहीं होगी, तब तक महिलाओं की भागीदारी लाख प्रयासों के बावजूद नहीं बढ़ने वाली है। इसके लिए एक सीमा तक सीटों का आरक्षण करना ही होगा। इसका जीता-जागता उदाहरण पंचायतीराज व स्थानीय स्वशासन संस्थाएं हैं, जहां महिलाओं की सीटें आरक्षित होने से आज तस्वीर ही बदल गई है। यदि महिलाओं की सत्ता में सहभागिता बढ़ानी है तो महिला सीटों का आरक्षण करना ही होगा। राजनीतिक दलों को आपसी आग्रह दुराग्रहों से हटकर इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। गैरसरकारी संगठनों को भी इस दिशा में देश में माहौल बनाना चाहिए। यह अवश्य है कि आरक्षण की सीमा आपसी समन्वय व विचार-विमर्श से सर्वसम्मति से तय होता है तो यह बेहतर लोकतांत्रिक परंपरा होगी। यह साफ है कि अब समय आ गया है जब महिलाओं की हिस्सेदारी तय होनी ही चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रसन्न रहने की शुरुआत घर से हो

संकलित

दर्शन

महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रसन्न रहने की शुरुआत अपने घर से ही होनी चाहिए। हम बाहर तो बहुत खुश रहते हैं, लेकिन घर में अकारण क्रोध से भरे रहते हैं। सभी लोग, खासतौर पर युवा इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें घर में भी प्रसन्न रहना है। युवाओं को यह बात याद रहे, इसलिए एक नया मंत्र दे रहा हूं। वे घर और परिवार में भी शांति रखें। कई लोग बाहर से घर में आते ही क्रोधित हो जाते हैं। वे अकारण गुस्सा कर घर वालों को मायूस कर देते हैं। यह हत्या कर देने जैसा अपराध है। मुश्किल यह है कि ये लोग अपनी कमी को मानते भी नहीं। कम से कम वे यह मान लें कि उसमें यह कमी है तो कभी न कभी वह कमी दूर भी की जा सकती है। लंका में कोई मानता ही नहीं था कि वहां कोई रोगी है। परिणाम सबके सामने है। जो माने ही नहीं कि अस्वस्थ है, वह स्वस्थ कैसे हो सकता है? एक और मंत्र याद रखें-छोटी-मोटी बातों को अनदेखा करें। व्यर्थ विवाद में मत उलझें। बात-बात में उलझने की आदत से अशांति ही पैदा होती है। सच्ची प्रसन्नता चाहिए तो इधर-उधर की बातें सुनना ही छोड़ दें। अस्तित्व के संगीत को सुनने की कोशिश करें। याद रखें, जिसे प्रसन्न रहना है, उसे कोई रोक नहीं सकता और जिसे दुखी ही रहना है, उसे कोई प्रसन्न नहीं कर सकता। कुछ लोगों को प्रसन्न रहना ही नहीं है। वे परेशान और दुखी होने के बहाने खोजते रहते हैं। इस आदत को बदलने की कोशिश ईमानदारी के साथ की जानी चाहिए।

एक लकड़ी का कटोरा

संकलित

प्रेरणा

एक वृद्ध व्यक्ति अपने बहु-बेटे के यहां शहर रहने गया। वो एक छोटे से घर में रहते थे, पूरा परिवार और उसका चार वर्षीया पोता एक साथ ही खाना खाते थे। लेकिन वृद्ध होने के कारण उस व्यक्ति को खाने में बड़ी दिक्कत होती थी। बहु-बेटे कुछ दिनों तक तो ये सब सहन करते रहे। अगले दिन जब खाने का वक्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के एक कोने में लगा दिया और अपने बूढ़े बाप से बोला कि पिता जी आप यहां पर बैठ कर खाना खाया करो। बूढ़ा पिता वहीं अकेले में बैठ कर अपना भोजन करने लगा, यहां तक की उनके खाने-पीने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था। बाकी लोग पहले की तरह ही आराम से बैठ कर खाना खाते। वहां बैठा बालक भी यह सब बड़े ध्यान से देखता रहता, और अपने में मस्त रहता। एक रात खाने से पहले, उस छोटे बालक को उसके माता-पिता ने जमीन पर बैठकर कुछ करते हुए देखा- तुम क्या बना रहे हो? पिता ने पूछा, बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया, अरे मैं तो आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूं, ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें, और वह पुनः अपने काम में लग गया। पर इस बात का उसके माता-पिता पर बहुत गहरा असर हुआ। उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला और आँखों से आंसू बहने लगे। वो दोनों बिना बोले ही समझ चुके थे कि अब उन्हें क्या करना है। उस रात वो अपने बूढ़े पिता को वापस डिनर टेबल पर ले आये, और फिर कभी उनके साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया।

अंतर्मन

आज की पाती

भारत की धरोहरों को और निखारने की जरूरत

दुनिया भर में विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स ने इसकी शुरुआत की थी। जब इस दिवस को यूनेस्को ने मंजूरी दी थी, तब से यह दिवस हर वर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों की संभाल करना और इसके लिए जागरूकता अभियान चलाना भी है। हमारे देश में भी बहुत सी ऐसी धरोहरें हैं जो दुनिया के आकर्षण का केंद्र हैं। इनमें मुख्यतः अजंता एलोरा की गुफाएं, दिल्ली का कुतुब मीनार व आगरा का ताजमहल इत्यादि शामिल हैं। और भी ऐसी बहुत सी धरोहरें हैं। भारत की धरोहरों को और निखारने की जरूरत भी है। ये धरोहरें देश की सभ्यता-संस्कृति की पहचान करवाती हैं। *- मिलिंद जोशी, बिलासपुर*

ट्रेंड

महिला आरक्षण कानून

डीएमके, कांग्रेस और टीएमसी ने संसद में 33% महिला आरक्षण कानून को पारित नहीं होने दिया, लेकिन हम संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण अवश्य प्रदान करेंगे।
- **राजनाथ सिंह,** रक्षा मंत्री

बंगाल में दयनीय स्थिति

बंगाल में हत्या के प्रयास के मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि एसिड अटैक, बाल अपराध, बलात्कार, डकैती, लूट और चोरी की घटनाएं पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक हो रही हैं। "मां, मां और मिट्टी" की बात करने वाली ममता दीदी ने इन स्थितियों को बेहद दयनीय बना दिया है।
- **जेपी नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

तमिल पहचान की रक्षा

परिसीमन भाजपा द्वारा संसद में तमिलनाडु, दक्षिणी राज्यों और पूर्वोत्तर के प्रतिनिधित्व को कम करने का एक स्पष्ट प्रयास था। हमने संसद में इसे रोका और भारत की अवधारणा पर इस हमले को विफल कर दिया। इंडिया अलायंस हमेशा तमिल पहचान की रक्षा करेगा।
- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

बेटियों की हार

विपक्ष को यह स्पष्ट करना होगा कि बेटियों की हार लोकतंत्र की जीत कैसे हो सकती है? देश की महिलाओं की हार हुई है, उनका सम्मान और आत्मसम्मान छिन गया है। विपक्ष इसे लोकतंत्र की जीत कैसे कह सकता है?
- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

उ. कोरिया ने कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी

उत्तर कोरिया ने रविवार को समुद्र की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया एवं जापान ने यह जानकारी दी। ये मिसाइल ऐसे समय में दागी गई हैं जब कुछ दिन पहले ही संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने परमाणु हथियार बनाने के उत्तर कोरिया के प्रयासों में 'बेहद गंभीर'' प्रगति की चेतावनी दी थी। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' (जेसीएस) ने बताया कि उत्तर कोरिया के सिनपो क्षेत्र से दागी गईं ये मिसाइलें देश के पूर्वी समुद्री क्षेत्र की दिशा में करीब 140 किलोमीटर (87 मील) तक गईं। जेसीएस ने कहा कि दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया की उकसाने वाली हर प्रकार की

कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार है और वह अमेरिका एवं जापान के साथ सूचनाओं का निकटता से आदान-प्रदान कर रहा है। दक्षिण कोरिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने उत्तर कोरिया द्वारा बार-बार किए जा रहे बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) की आपात बैठक में चिंता जताई और उससे इन्हें तुरंत रोकने का आग्रह किया। ये प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के भारत और वियतनाम की यात्रा के लिए रवाना होने से कुछ घंटे पहले किए गए।

ऑफ बीट

क्या माउथवॉश हृदय के लिए हानिकारक होता है?

सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो में दावा किया गया है कि माउथवॉश से उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ सकता है और हृदय की सेहत को नुकसान हो

सकता है। कुछ वीडियो के अनुसार, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि माउथवॉश मुंह के उन अच्छे बैक्टीरिया को खत्म कर देता है, जो हृदय और रक्त-प्रणाली के लिए जरूरी होते हैं। यह सुनने में चौंकाने वाला लग सकता है लेकिन आपको अभी अपना माउथवॉश फेंकने की जरूरत नहीं है। सच्चाई इससे कहीं ज्यादा जटिल है। हमारे मुंह में कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं। ये सभी मिलकर एक संतुलित और विविध प्रकार के 'माइक्रोबायोम' बनाते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया की बढ़त को रोकते हैं, सामान्य 'मेटाबॉलिज्म' में मदद करते हैं और मुंह व शरीर की कुल सेहत को बेहतर बनाते हैं। इन बैक्टीरिया का एक अहम काम है हमारे भोजन (खासकर हरी पत्तेदार सब्जियों) में मौजूद नाइट्रेट को नाइट्राइट में बदलना। जब हम नाइट्राइट निगलते हैं, तो शरीर इसे नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल देता है। यह प्रक्रिया नाइट्रेट-नाइट्राइट-नाइट्रिक ऑक्साइड प्रक्रिया (या एंटरोसैलिवरी प्रक्रिया) कहलाती है। यह एक उदाहरण है कि बैक्टीरिया कैसे शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

हमारी पहिचान काबा, कुरआन और रसूल (स.अ.) के नाम पर एक है - नकवी

-जो जुल्म के खिलाफ आवाज उठाता है, वह इमाम हुसैन का सच्चा अनुयायी है - डॉ. जैन

-भारत को अपने मुफाद के लिए ईरान से सीधे गैस, तेल खरीदनी चाहिए - संजय सिंह

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कर्बला मैदान में आयोजित ताज़ियती इजलास में आयतुल्लाह डॉ. अब्दुल माजिद हकीम इलाही समेत कई वक्ताओं ने आयतुल्लाह सैयद अली ख़ामेनई के संदेश, उम्मत की एकता, वतन से मोहब्बत और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार रखे, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर ख़िराज-ए-अक़ीदत पेश किया।

फिरकों की हकीकत और एकता का पैग़ाम:-

जयपुर के कर्बला ग्राउंड में आयोजित सभा में सैयद अली इमाम नकवी ने बयान करते हुए कहा कि एक हदीस के मुताबिक यहूदियों में इकहत्तर (71) फिरके, ईसाइयों में बहत्तर (72) फिरके और मुसलमानों में तिहत्तर (73) फिरके होंगे। उन्होंने कहा कि यह हकीकत अक्सर अधूरी तरह पेश की जाती है, जहां सिर्फ मुसलमानों के फिरकों पर जोर दिया जाता है, जबकि दूसरे मज़हबों के इख़्तिलाफात पर बात नहीं होती। नकवी ने कहा कि हम मुख़्तलिफ नहीं हैं, बल्कि हमारी पहचान काबा, कुरआन और रसूल ▯ के नाम पर एक है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साज़िश बताया, जिसका मकसद उम्मत में फूट डालना है। उन्होंने नौजवानों से अपील की कि वे ऐसे भ्रम से बचें और इत्तेहाद को मजबूत करें।

हुसैन की राह, वफ़ादारी का संदेश:-

जयपुर में आयोजित सभा में डॉ. सूफी राज जैन ने कहा कि जो जुल्म के खिलाफ आवाज़ उठाता है, वह इमाम हुसैन का सच्चा अनुयायी है। उन्होंने भारत को वफ़ादारी की धरती बताते हुए कहा कि यहां के लोगों की रग-रग में निष्ठा बसती है। उन्होंने इमाम हुसैन की कुर्बानी का ज़िक्र करते हुए कहा कि उन्हें अपनी शहादत का इल्म था, फिर भी उन्होंने हक और इंसाफ के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया।

ट्रंप वार्ता पर तंज, ईरान नीति पर सवाल:-

जयपुर में आयोजित सभा में संजय सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों और केंद्र सरकार की विदेश नीति पर तीखा बयान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और इज़राइल की कार्रवाइयों पर दुनिया को खुलकर मज़म्मत करनी चाहिए, लेकिन भारत सरकार इस मुद्दे पर खामोश रही। उन्होंने कहा कि संसद में भी उन्होंने यह बात उठाई कि मासूम बच्चों और ईरान के सैनिकों की मौत पर भारत को स्पष्ट रुख लेना चाहिए था। संजय सिंह ने कहा कि भारत बुद्ध और गांधी की अहिंसा की विचारधारा वाला देश है, इसलिए उसे युद्ध का समर्थन नहीं करना चाहिए। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि जब मीडिया ने उनसे प्रधानमंत्री और ट्रंप की बातचीत पर सवाल किया तो उन्होंने तंज में कहा—"अंधभक्तों लड्डू बांटो।" उनका कहना था कि जिस नेता का विरोध दुनिया के कई देशों में हो रहा है, उससे बातचीत पर खुश होना ठीक नहीं। उन्होंने भारत-ईरान संबंधों को मजबूत करने की वकालत करते हुए कहा कि ईरान ने हमेशा भारत को सस्ते दामों पर तेल और गैस दी, यहां तक कि रुपये में व्यापार की सुविधा भी दी। उन्होंने कहा कि भारत को अपने मुफ़ाद को देखते हुए ईरान से सीधे तेल और गैस खरीदनी चाहिए ताकि महंगाई से राहत मिल सके। असम के मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि अगर मुसलमानों से सामान न खरीदने की बात होती है, तो फिर मुस्लिम देशों से आने वाले पेट्रोल-डीजल और गैस का भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने इसे नफ़रत की सियासत करार देते हुए कहा कि ऐसे बयान समाज में इख़्तिलाफ बढ़ाते हैं, जबकि जरूरत इत्तेहाद और समझदारी की है।

मर्दानगी का पैमाना, हक की लड़ाई:-

जयपुर में आयोजित सभा में अशोक कुमार पांडे ने कहा कि ईरान का मुद्दा सिर्फ मुसलमानों का नहीं, बल्कि हक और इंसाफ की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि अगर यह केवल मुस्लिमों की लड़ाई होती, तो चीन और रूस जैसे गैर-इस्लामिक देश इसके साथ खड़े नहीं होते। उनके मुताबिक ईरान उन तमाम देशों के लिए आवाज़ उठा रहा है, जिन पर अमेरिका की बुरी नजर है, जैसे वेनेजुएला और क्यूबा। उन्होंने कहा कि इस वक्त ईरान का साथ देना दरअसल हक का साथ देना है। पांडे ने आरोप लगाया कि ईरान का मुकाबला दुनिया की तानाशाही ताकतों से है, जो बंकरों में छिपकर मासूम बच्चों पर हमले करती हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "जो मर्द होते हैं, वो औरतों और बच्चों पर वार नहीं करते, बल्कि सामने से मैदान-ए-जंग में लड़ते हैं—या जीतते हैं या हारते हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि दुनिया की कुछ ताकतें बंकरों में छिपकर मासूमों पर हमले करती हैं, जो कायरता की निशानी है।

खामेनई की आख़िरी ख़्वाहिश: हिंदुस्तान और इंसानियत:-

जयपुर में आयोजित भावनात्मक सभा में आयतुल्लाह डॉ. अब्दुल माजिद हकीम इलाही ने आयतुल्लाह सैयद अली ख़ामेनई से जुड़ी अहम बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि वे ईरान की ओर से भारत आए और देश के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया, जहां उन्हें वही इंसानियत, वफ़ादारी और मोहब्बत देखने को मिली, जिसका ज़िक्र खामेनई साहब किया करते थे। उन्होंने कहा कि आयतुल्लाह सैयद अली ख़ामेनई हिंदुस्तान के लोगों को बेहद नेकदिल, शरीफ और मददगार बताते थे, और यहां की संस्कृति व भाईचारे की मिसाल देते थे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि खामेनई की आख़िरी ख़्वाहिश थी कि वे हिंदुस्तान आएं और यहां के लोगों से मिलें। सभा में वतन से मोहब्बत को ईमान का हिस्सा बताते हुए कहा गया कि जो अपने देश की हिफ़ाज़त करता है, वह दरअसल इबादत करता है। कार्यक्रम के दौरान भारत के लोगों की दरियादिली और खासकर बच्चों के जज़्बात का ज़िक्र हुआ, जिसे सुनकर माहौल भावुक हो गया। अंत में मौजूद लोगों ने मोबाइल की टॉर्च जलाकर खामेनई साहब को ख़िराज-ए-अक़ीदत (श्रद्धांजलि) पेश किया और उनके पैग़ाम—इंसानियत, वतन से मोहब्बत और एकता—को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

सरकारी स्कूल की छात्रा ने 12वीं में 92.20% हासिल कर रचा इतिहास

-मेहनत से चमका नाम, 92.20% के साथ शानदार सफलता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नाहरी का नाका, शास्त्री नगर क्षेत्र की निवासी ज़हीन अंसारी ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में 92.20 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने परिवार और स्कूल का नाम रोशन किया है। महात्मा गांधी सरकारी स्कूल की इस छात्रा ने न सिर्फ फर्स्ट डिवीजन हासिल किया, बल्कि क्लास में तीसरा स्थान भी प्राप्त किया। उनकी सफलता ने यह साबित कर दिया कि लगन और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

पढ़ाई का अनुशासन बना सफलता की कुंजी:-

ज़हीन अंसारी की पढ़ाई का तरीका बेहद अनुशासित रहा। जब वह स्कूल जाती थीं, तो करीब 4 से 5 घंटे स्कूल में पढ़ाई करने के बाद घर आकर 3 घंटे अतिरिक्त पढ़ाई करती थीं। वहीं, अगर किसी दिन स्कूल नहीं जाती थीं, तो 8 से 10 घंटे लगातार सेल्फ स्टडी करती थीं। उनकी यही निरंतर मेहनत उनके शानदार रिजल्ट की सबसे बड़ी वजह बनी।

टीचर्स का मिला पूरा सहयोग:-

स्कूल के शिक्षकों का रवैया भी ज़हीन के प्रति सकारात्मक रहा। शिक्षकों को शुरुआत से ही भरोसा था कि वह मेहनत कर रही हैं और अच्छे अंक जरूर लाएँगी। इस भरोसे और मार्गदर्शन ने ज़हीन के आत्मविश्वास को और मजबूत किया, जिससे वह अपने लक्ष्य की ओर लगातार आगे बढ़ती रहीं।

डॉक्टर बनने का सपना, NEET की तैयारी जारी:-

ज़हीन अंसारी का सपना डॉक्टर बनना है। इसके लिए वह आगे चलकर NEET की तैयारी करना चाहती हैं। साथ ही उन्होंने अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए अन्य विकल्पों पर भी नजर रखी है, ताकि आगे बढ़ने के रास्ते खुले रहें। उनकी सोच और लक्ष्य स्पष्ट है, जो उनकी मेहनत में साफ झलकता है।

पढ़ाई के साथ रचनात्मकता भी बनी पहचान:-

पढ़ाई के साथ-साथ ज़हीन को स्केचिंग और लिखने का भी शौक है। बचपन से ही उन्हें लेखन में रुचि रही है और उनकी कई कहानियाँ प्रकाशित भी हो चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने दादा-दादी और परिवार पर आधारित एक कहानी भी लिखी है, जो उनके रचनात्मक पक्ष को दर्शाती है।

रूढ़ियों को तोड़ती एक नई मिसाल:-

अक्सर समाज में अलग-अलग तरह की धारणाएँ सुनने को मिलती हैं, लेकिन ज़हीन अंसारी की सफलता उन सभी सीमित सोच को पीछे छोड़ती नजर आती है। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से यह दिखा दिया कि अगर अवसर और समर्थन मिले, तो हर बेटी अपने सपनों को पूरा कर सकती है और परिवार का नाम रोशन कर सकती है।

जयपुर का The Indian Public Secondary School नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित

-4000 स्कूलों में बनाया खास मुकाम

जयपुर। जयपुर के The Indian Public Secondary School ने शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नेशनल अवॉर्ड अपने नाम किया है। करीब चार हजार स्कूलों के बीच इस स्कूल ने बेहतरीन प्रदर्शन कर अव्वल स्थान हासिल किया। इस सम्मान के लिए स्कूल को दिल्ली बुलाया गया, जहां राष्ट्रीय स्तर पर उसे सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न सिर्फ स्कूल के लिए, बल्कि पूरे शहर के लिए गर्व की बात मानी जा रही है।

स्कूल की स्थापना और उद्देश्य

स्कूल की हेड मिस्ट्रेस हिना कौसर के मुताबिक, इस स्कूल की शुरुआत साल 1999 में एक खास मकसद के साथ की गई थी। उद्देश्य था कि हर बच्चे को अच्छी और बेसिक शिक्षा मिले, ताकि वह अपने भविष्य को बेहतर बना सके। स्कूल ने शुरुआत से ही क्वालिटी एजुकेशन पर ध्यान दिया और बच्चों को मजबूत नींव देने का काम किया।

टेक्नोलॉजी से बदलती पढ़ाई

स्कूल में पढ़ाई के तरीके को आधुनिक बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का खास इस्तेमाल किया जा रहा है। हर क्लासरूम में एलईडी और स्मार्ट टीवी लगाए गए हैं, जिससे बच्चे सिर्फ सुनते ही नहीं, बल्कि देख कर भी सीखते हैं। इससे बच्चों की समझ, सोचने की क्षमता और क्रिएटिविटी में काफी सुधार देखा गया है। नई एजुकेशन पॉलिसी के तहत यह बदलाव बच्चों के लिए फायदेमंद साबित हो रहा है।

बच्चों का प्रदर्शन और भविष्य

स्कूल के नतीजे भी इसकी सफलता को दिखाते हैं। हाल ही में दसवीं कक्षा का रिजल्ट करीब 95 प्रतिशत रहा है, जो स्कूल की गुणवत्ता को दर्शाता है। इस अवॉर्ड से न सिर्फ बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि अभिभावकों का भरोसा भी और मजबूत होगा। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि आगे भी वे इसी तरह बच्चों को बेहतर शिक्षा और नई सुविधाएं देने के लिए काम करते रहेंगे।

जाहिद अली सिद्दीकी भिश्ती समाज एकता मंच के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

-जयपुर में भिश्ती, सक्का, अब्बासी समाज के चुनाव की दी गयी जिम्मेदारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । रविवार को भिश्ती समाज की एक आम सभा जयपुर के नाहरी का नाका में मदरसा फ़ैज़- ए-आम में आयोजित की गयी, जिसमें जयपुर के सभी ब्लॉक से भिश्ती समाज के लोग एकत्रित हुए। मोहम्मद साबिर अब्बासी ने बताया कि इस सभा का मुख्य उद्देश्य जयपुर में चल रहे भिश्ती समाज के चुनाव की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी को नियुक्त करना था। सभा में इस जिम्मेदारी के लिए सभी की सहमति से नगर निगम जयपुर के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जाहिद अली सिद्दीकी को चुना गया। इस मोके पर नव नियुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी जाहिद स्वयं वहाँ मौजूद रहे। समाज के बड़े बुजुर्गों व पटेलों ने आपका माला पहनाकर स्वागत किया। आप ने जल्द से जल्द संवेधानिक तरीके से निष्पक्ष चुनाव कराने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर भिश्ती समाज जयपुर के सभी पटेल, बुजुर्ग व नोजवान उपस्थित रहे।

जयपुर में 'ओरण बचाओ' आंदोलन की गूंज

जयपुर की सड़कों पर उतरे रविंद्र सिंह भाटी

-सरकार को दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

हरि चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पश्चिमी राजस्थान की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर 'ओरण' भूमि को बचाने की मांग अब राजधानी जयपुर की सड़कों तक पहुंच गई है। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में लोग जयपुर पहुंचे और ओरण भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने की मांग को लेकर धरना दिया। इस दौरान भाटी ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि समय रहते मांगें नहीं मानी गईं, तो यह आंदोलन और अधिक उग्र रूप लेगा।

विधानसभा से सड़क तक पहुंचा मुद्दा:-

रविंद्र सिंह भाटी ने रॉयल पत्रिका से खास बातचीत करते हुए कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में भी कई बार उठाया है, लेकिन सरकार की इच्छाशक्ति की कमी के कारण अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। उन्होंने कहा, "मैं यह माहौल खराब नहीं करना चाहता, लेकिन अगर सरकार ने समय रहते ओरण भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया, तो प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है"।

तनोट से पैदल चलकर जयपुर पहुंचे बुजुर्ग:-

आंदोलन की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जैसलमेर के तनोट माता मंदिर से कई बुजुर्ग और ग्रामीण पैदल चलकर जयपुर पहुंचे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ओरण की जमीन केवल जमीन का टुकड़ा नहीं है, बल्कि यह उनके पशुधन और जीविकोपार्जन का मुख्य आधार है।

सोलर कंपनियों और अतिक्रमण का विरोध:-

धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि ओरण की जमीनों पर सरकार और निजी कंपनियां अतिक्रमण कर रही हैं। वहां बड़े पैमाने पर सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं, जिससे पशुओं के चरने के लिए जगह नहीं बच रही है। ग्रामीणों ने मांग की कि हिंदू धर्म में गौमाता और प्रकृति के महत्व को समझते हुए इन प्राचीन चरागाहों (ओरण) को संरक्षित किया जाए।

राजस्थानी भाषा को मान्यता देने की मांग:-

ओरण संरक्षण के साथ-साथ रविंद्र सिंह भाटी ने राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता देने का मुद्दा भी पुरजोर तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के पास राज्य की भाषा लागू करने की शक्ति है, लेकिन ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने राजस्थान यूनिवर्सिटी में धरने पर बैठे छात्रों का समर्थन करते हुए कहा कि अपनी भाषा के लिए लड़ना वाजिब मांग है।

भामाशाह ने वाटर कूलर लगवाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली बाईपास रोड चुंगी नाका रामगढ़ मोड़ स्थित मशहूर हजरत गुलाब शाह पीर बाबा वक़्फ़ कब्रिस्तान और दिल्ली रोड रास्ते पर एक ठंडे पानी के लिए नया वाटर कूलर लगवाया गया है। इस वाटर कूलर की सुविधा मिलने से राहगीरों और कब्रिस्तान आने वालों को गर्मी के मौसम में गला ठंडा करने की सुविधा मिल जाएंगी। यह वाटर कूलर भामाशाह तारिक नक़वी जो मशहूर एडवोकेट ऐजाज नक़वी के साहबजादे हैं, ने खरीदकर लगवाया गया है। भामाशाह नक़वी ने इसके अलावा कब्रिस्तान के मेन गेट पर कलर पेंट भी करवाया गया है जिससे कब्रिस्तान का गेट देखने में अच्छा लगने लगा है। यह जानकारी कब्रिस्तान और शमशान खिदमतकार मोहम्मद अमीन खान ने दी है।

विश्व विरासत दिवस पर बारां में संगोष्ठी का आयोजन

-विरासत संरक्षण हेतु सामूहिक सहभागिता पर बल

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । विश्व विरासत दिवस के उपलक्ष्य में होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान, बारां एवं इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज बारां चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार 18 अप्रैल 2026 को शुभम रिसोर्ट, झालावाड़ रोड, बारां में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय "बारां ज़िले की विरासतें और हमारे प्रयास" रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संदीप सिंह जादौन, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, कला, संस्कृति, पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग, बारां ने कहा कि जिले की ऐतिहासिक धरोहरें बारां की सांस्कृतिक पहचान हैं। इनके संरक्षण हेतु प्रशासन, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं नागरिक समाज के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विरासत संरक्षण से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होती है। विशिष्ट अतिथि रामदास शर्मा सह-संयोजक इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज ने बताया कि इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज विगत कई वर्षों से शोध, प्रलेखन एवं जन-जागरूकता के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि बारां की विरासतों को संरक्षित रखने में स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान, बारां के अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल

ने कहा कि पर्यटन, आतिथ्य उद्योग और विरासत संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। विरासतों के संरक्षण से न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं, अपितु क्षेत्र का समग्र विकास भी सुनिश्चित होता है। कार्यक्रम का संचालन इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज बारां चैप्टर के संयोजक जितेन्द्र कुमार शर्मा ने किया। उन्होंने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विरासत के प्रति समाज में संवेदनशीलता एवं सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक योगेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन जन-जागरूकता के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मीडिया एवं जनसंपर्क के माध्यम से विरासत संरक्षण का संदेश व्यापक जनसमुदाय तक पहुँचाया जाना चाहिए, जिससे आमजन भी संरक्षण प्रयासों से जुड़ सकें। संगोष्ठी में प्रबुद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता, पर्यटन एवं होटल उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन जिले की विरासतों के संरक्षण हेतु सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। अंत में होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान, बारां के अध्यक्ष अग्रवाल ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली की पत्रकार मीना कोटवाल का कोटा में नागरिक अभिनंदन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । मूकनायक मीडिया की प्रमुख संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार मीना कोटवाल का रविवार 19 अप्रैल को कोटा शहर में नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शहर के सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों एवं युवाओं द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने बताया कि मीना कोटवाल ने 'मूकनायक मीडिया' के माध्यम से दलित उत्पीड़न, शिक्षा में भेदभाव, भूमि अधिकार और आरक्षण से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाया। ग्रामीण क्षेत्रों में दलित महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों की ग्राउंड रिपोर्टिंग कर प्रशासन को कार्रवाई के लिए मजबूर किया। दलित युवाओं के लिए डिजिटल मीडिया प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर उन्हें मुख्यधारा की पत्रकारिता से जोड़ा। इसके अलावा मॉब लिंचिंग, NRC-CAA आंदोलन, और अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के मुद्दों पर तथ्यात्मक रिपोर्टिंग कर

पीड़ित पक्ष की आवाज उठाई। कोविड काल में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ फैलाई गई अफवाहों का खंडन कर निष्पक्ष पत्रकारिता का उदाहरण पेश किया। मुस्लिम महिलाओं के शिक्षा और रोजगार से जुड़े सकारात्मक प्रयासों को मंच दिया। इस मौके पर मीना कोटवाल ने कोटा की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी पत्रकारिता का उद्देश्य संविधान की भावना को जमीनी स्तर तक पहुंचाना है और यह सम्मान उन्हें और जिम्मेदारी से काम करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि मूकनायक मीडिया को उन्होंने ऐसा मंच बनाया जहां दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और महिला पत्रकार बिना भय के अपनी बात रख सकें। उनके नेतृत्व में मूकनायक देश के उन चुनिंदा डिजिटल प्लेटफॉर्म में शामिल हुआ जो वंचित तबकों के सवालों को केंद्र में रखता है। कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने कहा कि मीना कोटवाल की पत्रकारिता संविधान, सामाजिक न्याय और अभिव्यक्ति की आजादी के मूल्यों को मजबूत करती है। इस नागरिक अभिनंदन समारोह में कोटा शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने माला पहना कर मीना कोटवाल का सम्मान किया।

इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद का 8 दिवसीय गुजरात दौरा शुरू

-गुजरात नगर निकाय चुनाव अभियान 2026 में सक्रिय सहभागिता निभाएंगे

कोटा (रॉयल पत्रिका)। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के राष्ट्रीय संयोजक एवं अनुशासनात्मक समिति के सदस्य तथा गुजरात प्रदेश के प्रभारी इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद के निजी सचिव हरिश कुमार द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी दी गई कि गुजरात प्रदेश के प्रभारी इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद का 08 दिवसीय गुजरात दौरा दिनांक 18 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो रहा है। इस महत्वपूर्ण दौरे का उद्देश्य गुजरात में आगामी नगर निकाय चुनाव 2026 के मद्देनज़र संगठन को सशक्त करना, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ

समन्वय स्थापित करना तथा चुनावी रणनीतियों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना है। इस दौरान इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी (GPCC) के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष वजीर खान पठान के साथ संयुक्त रूप से विभिन्न जिलों एवं शहरी निकाय क्षेत्रों का व्यापक दौरा करेंगे। वे पार्टी पदाधिकारियों, स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने हेतु दिशा-निर्देश प्रदान करेंगे। इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद ने अपने संदेश में कहा कि नगर निकाय चुनाव 2026 लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दें, जनता के बीच जाकर कांग्रेस पार्टी की नीतियों एवं उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें तथा प्रत्येक बूथ पर संगठन को सशक्त बनाएं।

उमराह के पाक सफर से लौटने पर किया भव्य स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका) । हज 2026 के पाक सफर की शुरुआत 20 अप्रैल से हो गई है इसी लिए हज से पहले उमराह पर गए टूर की वापसी गुरुवार को हो गई। निजी टूर एजेंसी मक्की मदनी टूर एंड ट्रेवल्स के जरिए उमराह के पाक सफर पर भेजने वाले असलम मंसूरी ने बताया कि उनके टूर के जरिए शहर से कई लोग उमराह पर गए थे, जिनमें हाजी जलील अहमद, शफी मंसूरी, जुबेदा बानो, जरीना बानो, मोहम्मद सलीम ओर संजीदा बानो सहित अन्य लोग 15 दिन के उमराह के सफर पर गए थे। शुक्रवार को बारां पहुंचने पर मोहल्ले वासियों और परिवार के लोगों द्वारा सभी का बेहतरीन इस्तकबाल किया गया। इस दौरान मोहम्मद शरीफ, मुस्तकीम मंसूरी, एडवोकेट खलील खान गोरी, इरशाद उर्फ भाया, बिट्टू मंसूरी, मंसूर भाई बक्से वाले, कदीर मिर्ज़ा, जमील भाई, इंसाफ अंसारी, उमर वेल्डर, असलम मंसूरी, अकरम मंसूरी, मुस्तकीम मंसूरी, आरिफ मंसूरी, इरफान मंसूरी, इंसाफ मंसूरी सहित कई लोग मौजूद रहे।

झालावाड़ निकाय चुनाव 2026:

परिसीमन के विपरीत बनी मतदाता सूची, कांग्रेस ने जताई आपत्ति

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद झालावाड़ में नगर निकाय आम चुनाव 2026 की मतदाता सूची तैयार करने को लेकर रविवार को सभी वार्डों में बीएलओ अपने मतदान केंद्रों पर सूची के साथ मौजूद रहे। कांग्रेस नेता ओम पाठक, सेवादल अध्यक्ष नंदसिंह राठौड़, नफीस शेख, फारूख अहमद, आमिर खान, नफीस खान समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची का अवलोकन किया। जांच में पाया गया कि वार्डों की मतदाता सूची निर्धारित परिसीमन के आधार पर नहीं बनाई गई है। कई वार्डों के

मोहल्ले परिसीमन में तय वार्डों के बजाय अन्य वार्डों में स्थानांतरित कर दिए गए हैं। कांग्रेस नेताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि वार्डों की मतदाता सूची निर्धारित परिसीमन के अनुसार ही तैयार करवाई जाए। नेताओं ने कहा कि इस गड़बड़ी को लेकर वार्डों में दावे और आपत्तियां भी दर्ज करवाई जाएंगी।

बैठक में हजरत लाल वली शाह के उर्स की रूपरेखा पर हुआ विचार-विमर्श

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । ग्राम पंचायत दुर्जनपुरा के ग्राम बाडोली में स्थित हजरत लाल शाह वली की दरगाह परिसर में सदर इमाम खान की सदारत में बैठक आयोजित की गई। जिसमें 29 वां उर्स को लेकर विचार विमर्श किया गया। उर्स कमेटी के प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास मांगरोल वाले ने बताया कि उर्स की आगामी रूपरेखा व तैयारियों को लेकर उर्स कमेटी की बैठक बाड़ौली दरगाह परिसर में आयोजित हुई। बैठक में 13,14 व 15 मई को आयोजित होने वाले उर्स की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। 13 मई को मिलाद शरीफ, 14 मई को गुस्ल, कुरआन ख्वानी,

चादर पेशी व बाद नमाज ईशा कव्वाली का प्रोग्राम 15 मई 2026 को देग तकसीम के बाद उर्स का समापन होगा। बैठक में उर्स कमेटी सदर इमाम खान, नायब सदर मुस्तकीम भाई, सेक्रेट्री मास्टर मंसूर अली, नायब सेक्रेट्री अबरार अहमद ड्राईवर, खजांची युसूफ भाई, पूर्व सदर अब्दुल गफ्फार, मंगू भाई, मुजाहिद भाई, मोहम्मद हुसैन, उर्स संयोजक असलम बाबा, जुल्फिकार अली, दानिश टेलर सहित कई सदस्य मौजूद थे।

जशने यौम-ए-दुरुद-ए-पाक व उर्से हुजूर ताजुश्शरीया के पोस्टर का विमोचन किया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलामाने गौस वेलफेयर सोसाइटी, जोधपुर व गुलामाने हुजूर मोईने मिल्लत, जोधपुर के जेरे एहतमाम होने वाले जश्ने यौमे दरूदे पाक व उर्से-पाक ताजुश्शरिया के पोस्टर का विमोचन दरगाह ख्वाजा अब्दुल लतीफ चिश्ती के प्रांगण में बुधवार रात 10 बजे दरगाह के सज्जादानशीन पीर नज्मुल हसन चिश्ती की सदारत में किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के प्रमुख हाफिज जावेद ने बताया कि शनिवार 18 अप्रैल को रात 9:30 बजे बड़ी ईदगाह, जालोरी गेट में जश्ने यौमे दरूदे पाक व उर्स-पाक ताजुश्शरिया मनाया जाएगा। जिसमें जोधपुर में पहली बार बगदाद से मुफ्ती अश्शाह सय्यद उमर सलीम हुसैनी रिफाई तशरीफ ला रहे हैं, इनके अलावा मुल्क के दिगर उल्माए अहले सुन्नत व सादाते किराम भी शरीक होंगे। प्रोग्राम के बाद लंगर तकसीम किया जाएगा। पोस्टर विमोचन के समय सोसाइटी के सदस्य व गणमान्य लोगों में हाफिज मुहम्मद हुसैन, रिजवान भाई, बब्बन भाई, इन्साफ भाई, मास्टर हसनैन अशरफी, इमदाद भाई, आदिल भाई व अन्य मौजूद रहे।

रामगंज मंडी के कांस्टेबल ने ईमानदारी का सबूत दिया

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडी कॉस्टेबल सुरेंद्र ने दिया ईमानदारी का परिचय गुम हुए पर्स को पर्स मालिक को लौटाया। रामगंजमंडी रविवार को हेड कांस्टेबल पप्पू शेषमा ने बताया कि सुरेंद्र गुर्जर कांस्टेबल 317 द्वारा बाजार नम्बर 7 में पर्स जिसमें 5 हजार रूपए और जरूरी कागजात थे। सुरेंद्र कांस्टेबल द्वारा कागजात के आधार पर पर्स के मालिक को फोन करके उसको थाने पर बुलाया और पैसे, पर्स और कागजात पर्स के मालिक की सुपुर्द कर ईमानदारी का परिचय दिया गया। आम जन ने कॉस्टेबल की ईमानदारी देख उनको सेल्यूट कर उनकी ईमानदारी को धन्यवाद सहित साधुवाद किया।

हज़रत शाह सददीक हसन के आस्ताने पर महफिल-ए-समा, तबर्रुक तकसीम

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान झालावाड़ हज़रत शाह सददीक हसन साहब के आस्तानाए आलिया पर 18 अप्रैल 2026 को धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। असर की नमाज़ के बाद देग का तबर्रुक अकीदतमंदों में तकसीम किया गया, जबकि ईशा की नमाज के बाद महफिल-ए-समा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैय्यद गयासुद्दीन चिश्ती (औलाद-ए-ख्वाजा गरीब नवाज) दरगाह दीवान सैय्यद सोलत हुसैन, अजमेर ने दरगाह में हाजिरी पेश की। इस अवसर पर हर साल की तरह मरहूम मोहम्मद ज़फर की ओर से पेश की जाने वाली चादर भी अर्पित की गई। दरगाह पर आगमन पर मेहमानों का स्वागत

दरगाह ख्वाजा हमीदुद्दीन चिश्ती के सदर अरबाज खान द्वारा माला व शॉल पहनाकर किया गया। ईशा के बाद आयोजित महफिल-ए-समा में कव्वाल महबूब मोहसिन एंड पार्टी ने ख्वाजा गरीब नवाज की शान में शानदार कव्वालियां पेश कीं। इसके बाद कव्वाल हिफजुर्रहमान हाकिमी ने मनकबत और निस्बत पेश कर माहौल को रूहानी बना दिया। कार्यक्रम का समापन कुल की रस्म और फातिहा के साथ हुआ। कुल की फातिहा हाफिज अहमद मियां ने पढ़ी और देश में अमन-चैन की दुआ की। इस मौके पर दरगाह कमेटी के सदर फिरोज खान, सरपरस्त शौकत अंसारी, अरबाज खान, अकबर अंजान, मुन्ना अंजान, इमरान खान, अलीम खान, असलम अजमेरी, सईद अंसारी, इकराम भाई, आसिफ शेरवानी, रशीद खान, जाफर भाई, रईस भाई, समीर पठान, शरीफ मंसूरी, सलीम बाबू, जब्बार, अकरम, इस्लाम चौधरी, फिरोज चौधरी, अफसान चौधरी, सलीम मोइन, मिर्जा मजीद, दिलीप जैन, जाकिर भाई, हाफिज जिशान, वाहिद अब्बासी, मुस्तफा सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

विश्व विरासत दिवस पर "झालावाड़ की अतुल्य विरासत" कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

-झालावाड़ जिला इतिहास, संस्कृति, कला और प्रकृति का अद्भुत संगम

-विरासत व धरोहरों का संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व- जिला कलक्टर

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। विश्व विरासत दिवस के अवसर पर 19 अप्रैल को जिला प्रशासन, पर्यटन विभाग एवं इंटैक झालावाड़ चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में "झालावाड़ की अतुल्य विरासत" विषयक गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक धरोहर, स्थापत्य कला एवं प्राकृतिक सौंदर्य के संरक्षण, संवर्धन तथा प्रचार-प्रसार पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़ रहे। मुख्य उद्बोधन राजस्थान राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड की माननीय सदस्य डॉ. सज्जन पोसवाल ने दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपखण्ड अधिकारी अभिषेक चारण ने की। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों तथा प्रबुद्ध नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि झालावाड़ केवल एक जिला नहीं बल्कि इतिहास, संस्कृति, कला और प्रकृति का अद्भुत संगम है अपने प्राकृतिक सौन्दर्य से यह लोगों को अपनी ओर आर्कषित करता है। यहां कि विरासत व धरोहरों का संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। जिला प्रशासन झालावाड़ द्वारा जिले के पर्यटन स्थलों, पुरातात्विक महत्व के स्थलों, ऐतिहासिक इमारतों तथा प्राकृतिक स्थलों को नई पहचान दिलाने के लिए सतत् प्रयास किए जा रहे हैं। जिसकी शुरूआत जलदुर्ग गागरोन, रामानन्द जी की छतरी, अश्व प्रतिमा से अतिक्रमण हटाकर उनका सौन्दर्यीकरण करने, गावंड़ी तालाब स्थित रोमन एक्वाडक्ट के स्वरूप को निखारकर पर्यटकों के लिए मनोहारी स्थल बनाने, राजकीय संग्रहालय में झालावाड़ हिस्ट्री गैलेरी, गागरोन दुर्ग गैलेरी, गढ़ पैलेस के सामने विश्व प्रसिद्ध ताजमहल के समक्ष बनी बैंच की तर्ज पर बनाया गया सैल्फी प्वाईंट से की गई।

इसी कढ़ी में आगामी दिनों में जिले के दूसरे जलदुर्ग के रूप में मनोहरथाना के किले को विकसित करने का कार्य किया जा रहा जहां गागरोन दुर्ग की तरह ही दो नदियों काली खाड़ व परवन के संगम स्थल पर सैल्फी प्वाईंट बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त डग स्थित रियासतकालीन रानी का मकबरा, रानी का महल गंगधार, कोटडा के महल का भी इनके मूल स्वरूप

को जीवित रखते हुए संरक्षण व संवर्धन का कार्य कर इन्हें पर्यटकों के भ्रमण के लिए तैयार किया जाएगा। वहीं झालरापाटन स्थित मदन विलास पैलेस में शिक्षा संग्रहालय का निर्माण किया जा रहा है। जिला कलक्टर ने कहा कि हमारा प्रयास है कि जिले की प्रसिद्ध औपेराशैली पर निर्मित भवानीनाट्यशाला में 105 वर्ष बाद दुबारा अभिज्ञान शकुन्तलम का आयोजन इसी वर्ष किया जाएगा। मुख्य वक्ता डॉ. सज्जन पोसवाल ने कहा कि किसी भी समाज की पहचान उसकी विरासत से होती है। यदि हम अपनी धरोहरों को सहेजेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को गौरवशाली इतिहास से जोड़ सकेंगे। उन्होंने युवाओं से सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें हमारी संस्कृति और विरासत का सम्मान करना चाहिए न कि उसकी उपेक्षा। इस दौरान उन्होंने गागरोन जलदुर्ग के इतिहास व संत पीपाजी की जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में इंटेक के संयोजक राज्यपाल शर्मा ने झालावाड़ के गौरवशाली इतिहास की जानकारी देते हुए यहां की छुपी हुई विरासतों के संरक्षण में जिला कलक्टर द्वारा किए गए अतुलनीय कार्य की जानकारी दी।

इस अवसर पर कार्यक्रम का विशेष आकर्षण वह भावपूर्ण क्षण रहा, जब झालावाड़ जिले की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य को नई पहचान दिलाने की दिशा में जिला कलेक्टर द्वारा किए गए उत्कृष्ट, दूरदर्शी एवं प्रेरणादायक प्रयासों के लिए जिले की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा उन्हें "विरासत विभूषण सम्मान" से अलंकृत किया गया। सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान झालावाड़ जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक पहचान पर आधारित आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का विशेष प्रदर्शन किया गया। फिल्म में जिले के गौरवशाली अतीत, स्थापत्य वैभव, धार्मिक आस्था केंद्रों, कृषि समृद्धि तथा औद्योगिक पहचान को अत्यंत प्रभावशाली दृश्यांकन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। डॉक्यूमेंट्री में झालावाड़ के ऐतिहासिक किलों, प्राचीन भवनों, विरासत स्थलों एवं स्थापत्य कला की विशिष्ट झलक दिखाई गई। जिले के प्राचीन मंदिरों, धार्मिक स्थलों एवं आध्यात्मिक परंपराओं को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया, जिससे यहां की सांस्कृतिक गहराई और आस्था से जुड़े समृद्ध इतिहास का परिचय मिला। इस दौरान विक्रम टाक ने झालावाड़ की विभिन्न छुपी हुई ट्रैकिंग साइड्स को पावरपॉइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रदर्शित किया। वहीं अतुल झाला ने भविष्य में मुकुंदरा टाइगर रिज़र्व में दिखने वाले परिदृश्यों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। अंत में उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के पूर्व डीन डॉ. मधुसुदन आचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उप वन संरक्षक सागर पंवार, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक सिराज कुरैशी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों, समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, सदस्य, जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सांचौर के मदन सिंह चौहान को जोधपुर आईजी ने किया सम्मानित

-पुलिस विभाग में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला मेडल, पाली पुलिस लाइन में हुआ सम्मान

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष में पाली की पुलिस लाइन में आयोजित जोधपुर रेंज स्तरीय भव्य समारोह में सांचौर का नाम गर्व से गूंजा। कार्यक्रम के दौरान जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सत्येंद्र सिंह ने उत्कृष्ट सेवा और उल्लेखनीय सहयोग देने वाले पुलिसकर्मियों एवं समाजसेवियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसी क्रम में सांचौर क्षेत्र के ग्राम डूंगरी निवासी एवं प्रमुख समाजसेवी मदन सिंह चौहान पूर्व जिला युवा महामंत्री, रावना राजपूत समाज को पुलिस प्रशासन के साथ निरंतर सहयोग, सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी और जन सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आईजी ने उन्हें प्रस्तुति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित करते हुए उनके कार्यों की सहराना की। रेंज स्तर पर मिले इस सम्मान से सांचौर एवं उनके पितृ गांव डूंगरी में खुशी की लहर है। क्षेत्र के प्रबुद्धजनों, युवाओं और समाजसेवियों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया है। सम्मान प्राप्त करने के बाद मदन सिंह चौहान ने कहा कि सम्मान

उनके लिए प्रेरणा और जिम्मेदारी दोनों हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वह भविष्य में भी निस्वार्थ भाव से पुलिस प्रशासन और समाज की सेवा में समर्पित रहेंगे। आईजी ने की सराहना बताया प्रेरणादायक योगदान समारोह को संबोधित करते हुए आईजी सत्येंद्र सिंह ने कहा की पुलिस स्थापना दिवस केवल एक आयोजन नहीं बल्कि शक्ति सेवा और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने मदन सिंह चौहान की सांचौर क्षेत्र में पुलिस के सहयोग के रूप में निभाई की सक्रिय और सकारात्मक भूमिका को प्रेरणादायक बताया।

कांग्रेस की "संगठन बढ़ाओं – लोकतंत्र बचाओं" अभियान के तहत बनेडा में भव्य जन-जागरण बैठक सम्पन्न

बनेडा (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार "संगठन बढ़ाओं – लोकतंत्र बचाओं" अभियान के अंतर्गत बनेडा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी जन-जागरण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर ने विडियो कॉल से बैठक को सम्बोधित कर के संगठन की गतिविधियो मे सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिये व कार्यक्रम को कांग्रेस विधायक प्रत्याशी नरेन्द्र कुमार रेगर ने सम्बोधित करते हुये कहा कि नगर निकाय चुनावों को टालना लोकतंत्र एवं संवैधानिक मूल्यों के साथ अन्याय है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाकर जनता को जागरूक करें

और संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाएं। ब्लॉक अध्यक्ष नारायण लाल गाडरी ने अपने उद्बोधन में संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही पार्टी की असली शक्ति है। वही कहा कि बनेडा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक पचायत पर कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी और जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी ओर हर पंचायत पर वार्ड अध्यक्ष का गठन करना होगा। बैठक में अल्पसंख्यक के ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह, अध्यक्ष कैलाश भाटी, नरेंद्र गुर्जर, हरि लाल गुर्जर, अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव, आरिफ खां कायमखानी, सावत खां कायमखानी, बबलू जाट बबराना,गोवर्धन लाल बलाई, इमरान अंसारी, पवन गुर्जर, अनिल धाबाई, दीपक वैष्णव आदि कॉग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीर गुलाम नसीर नज़मी सुलैमानी सज्जादानशीन दरगाह फतेहपुर ने पत्रकार मोहम्मद अली पठान को किया सम्मानित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाई जी चौक स्थित राणा जी के नोहरे में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कौम चेजारा की तरफ से महम्मुद अली राणा के नेतृत्व में दरगाह शरीफ हज़रत ख़्वाजा हाजी मुहम्मद नजमुद्दीन सुलैमानी फ़तेहपुर शेखावाटी के मुख्य गद्दिनशीन का चूरू पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। जीसमें 51 किलो की फूलमाला एवं फुल बरसाकर कौम चेजारान की तरफ से साफा बांधकर दस्तारबंदी की गई एवं हजरत ख्वाजा नज्म सरकार की शान में कव्वालियों का आयोजन किया राणा जी के नोहरे को खूबसूरत लाइटिंग व आतिशबाजी से सजाया गया था। पीर गुलाम नासिर ने अपने साहबजादे पीर गुलाम नजम को अपना सज्जादा नशीन मुतवली दरगाह हज़रत पीर हाजी नजमुद्दीन सुलेमानी फतेहपुरी को मुकर्रर किया। इस खुशी में यह समारोह आयोजित किया गया

था और शहर की चार शख्सियत को दरगाह फतेहपुर की तरफ से नवाजा गया। जिसमें मोहम्मद अली पठान पत्रकारिता क्षेत्र में और शिक्षाविद् शायर इदरीश राज़ चूरवी और 50 साल से सेवा दे रहे कौम चेजारान में इमाम मौलाना मोतिउर रहमान एवं कौम चेजारान के अध्यक्ष फारूक चेजारा को पगड़ी बांधकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महम्मुद राणा, डॉ. जाकिर हुसैन, मोहम्मद रफीक चौहान, करामत खान उर्दू अदीब, हाजी रफीक छिपा, मास्टर अजीज खान दिलावर खानी, जाफर खान, नौशाद खान, अयूब खान चायल, महबूब खान नसवान, गफ्फार खान इंजीनियर, असलम गारमेंट, मोहम्मद यूसुफ, फारूक चौहान, इलियास राणा आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम का सफल संचालन शायर इदरीश राज़ चुरवी ने किया। पीर साहब ने देश दुनिया में भाईचारा अमन शांति की दुआएं की। आयोजक महम्मुद राणा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मालिया मियाना दरगाह का सालाना उर्स धूम धाम से मनाया

-पीर की जाल इंतजामिया कमेटी की ओर से चादर पेश कर मांगी अमन चैन की दुआ

मालिया मियाना(रॉयल पत्रिका)। सांचौर दरगाह इंतजामिया वक्फ कमेटी पीर की जाल की ओर से चादर पेश की नाजिमे आला नबी बक्स सरवरी द्वारा दरगाह शरीफ मालिया मियाना गुजरात में हर साल नाजिमें आला खलीफा मोहम्मद बक्ष द्वारा दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह पीर की जाल इंतजामिया वक्फ कमेटी की ओर से चादर पेश करते थे खलीफा मोहम्मद बक्ष का इंतकाल होने पर चादर की परंपरा निभाते हुए इस साल उनके बेटे नबी बक्स सरवरी नाजिमे आला दारुल उलूम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल द्वारा चादर पेश

कर देश में अमन चैन शांति की दुआ की। दादा अब्बनशाह के मुरीदों को सालाना उर्स मुबारक की मुबारक बाद दी। इस मौके पर हजारों की संख्या में जायरीन मौजूद थे।

71 वें जन्मदिन व तृतीय स्थापना दिवस पर होंगे कार्यक्रम

शब्बीर हुसैन

बारां.(रॉयल पत्रिका) । स्व. श्री ओमप्रकाश व्यास मानव सेवार्थ समिति बारां (चेरिटेबल) के प्रेरणापुंज, स्व. ओमप्रकाश व्यास के 71वें जन्मदिवस एवं समिति के तृतीय स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार, 21 अप्रैल 2026 को विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता दिनेश शर्मा ने बताया कि समिति द्वारा दिनभर सेवा, श्रद्धा एवं समर्पण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर स्व. व्यास जी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 08:00 बजे नंदनी गौशाला में गोसेवा से होगी। इसके पश्चात प्रातः 09:00 बजे बालाजी मंदिर, पब्लिक पार्क में पूजा-अर्चना कर स्व. व्यास को नमन किया जाएगा। प्रातः 10:00 बजे चारमूर्ति क्षेत्र में भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आमजन को प्रसादी वितरण किया जाएगा। समिति के ललित मोहन शर्मा, संजय गोयल,प्रमोद शर्मा, हरिमोहन गोयल, भगवान लाल जैन द्वारा

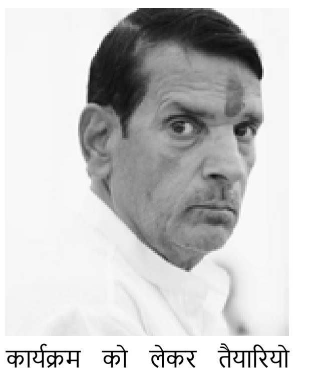

कार्यक्रम को लेकर तैयारियो को अंतिम रूप दिया गया प्रातः 11:00 बजे शहीद राजमल मीणा चिकित्सालय बारां में जरूरतमंदों को अंतिम वस्त्र वीरेन्द्र शर्मा सहसंयोजक के नेतृत्व में भेंट किए जाएंगे। रक्तदान प्रभारी विकास भारद्वाज पुजारी व राहुल खींची द्वारा दोपहर 12:00 बजे से 03:00 बजे तक जीवनधारा ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा, जो गत दिनों सड़क दुर्घटना में निधन हुए बालिका योगिता एवं बालक गतिक को श्रद्धांजलि स्वरूप रखा गया है व जितेन्द्र शर्मा,जितेश गौतम द्वारा नेत्रदान,देहदान के संकल्प पत्र भरवाये जाएंगे। सायं 5:30 बजे नितेश शर्मा,मनोज सुमन के नेतृत्व में जरूरतमंदों को खिचड़ी एवं कंबल वितरण किया जाएगा। इसके पश्चात सायं 7:00 बजे बालाजी मंदिर, पब्लिक पार्क में ब्रजेश गौतम,मनीष पंडित, गोपाल मित्तल के नेतृत्व में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। 23 अप्रेल को समिति द्वारा एक दिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन किया जाएगा। समिति पदाधिकारियों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में भाग लेकर सेवा कार्यों में सहभागिता निभाने का आग्रह किया है। समिति के कार्यकारी अध्यक्ष पीयूष उपाध्याय ने बताया कि स्व. ओमप्रकाश व्यास के सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए समिति निरंतर समाजहित में कार्य कर रही है और इसी संकल्प के साथ यह आयोजन किया जा रहा है। व बारां जिले के आमजन से समिति द्वारा चलाए जा रहे सेवा कार्यो में जुड़ने की अपील की है।

सीबीएसई बोर्ड दसवीं कक्षा में 97 प्रतिशत अंक हासिल करने पर कोटा न्यूज ग्रुप ने किया साकिब का स्वागत

कोटा (रॉयल पत्रिका) । कोटा न्यूज ग्रुप की ज़ानिब से रविवार को एक निजी होटल में स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 10वी सीबीएसई बोर्ड में 97 प्रतिशत नम्बर हासिल करने वाले साकिब अंसारी को माला पहनाकर इस्तक़बाल किया गया। इस मौके पर साक़िब के पिता नफ़ीस अंसारी व उनका परिवार भी मौजूद रहा। साक़िब ने बताया कि इस सफलता के पीछे उसके शिक्षक और माता-पिता का विशेष योगदान रहा। कन्वीनर हैदर अहमद ने बताया इस अवसर

पर ग्रुप के डॉ. मोहम्मद सिद्दीक, अफ़ज़ल अंसारी, जरगाम अहमद, किफायत शेख़, सोनू अब्बासी, एडवोकेट अंसार इंदौरी, शोएब अहमद, सय्यद आमीन अली, जोनी राईन, जावेद खान, फिरोज़ खान, वसीम राणा आदि सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुजफ्फर राईन ने किया।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RAS) में चयन होने पर मौलाना आजाद संस्थान ने किया हर्षाली जैन का स्वागत

बांरा (रॉयल पत्रिका) । मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान परिवार के तत्वावधान में अध्यक्ष शेख बहादुर के नेतृत्व में अन्ता विधानसभा क्षेत्र के मांगरोल की बिटिया व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बांरा की अध्यापिका हर्षाली जैन का राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RAS) में चयन होने पर स्कूल शाला पहुंच कर शॉल ओढाकर स्मृति चिन्ह भेंट कर फूल मालाओं से स्वागत करके मुहं मीठा करवाकर बधाईयां दी ओर

बहतरीन मुस्तकबिल की दुआओं के साथ आशिर्वाद दिया। इस अवसर पर संस्थान परिवार की महिला कोर्डिनेटर व प्रधानाचार्य यशोदा रानी कश्यप, अध्यापिका मीना खींची, फरीदा शेख, प्रधुम्न गोतम सहित अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

राज्य स्तरीय गायन प्रतियोगिता में प्रकाशचंद ने मारी बाजी, इंडियन आइडल में बनाई जगह

-पाखर के बेटे प्रकाशचंद का सम्मान, गायन प्रतिभा से बढ़ाया गांव का मान

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। मंडावर उप खण्ड के समीप पाखर गांव के होनहार युवा प्रकाशचंद पुत्र अजय बैरवा ने अपनी मधुर आवाज और शानदार प्रतिभा के दम पर राज्य स्तरीय गायन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस सफलता के साथ उन्होंने इंडियन आइडल जैसे प्रतिष्ठित मंच में अपनी जगह बनाकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव पाखर का नाम रोशन किया है। प्रकाशचंद की इस उपलब्धि पर गांव में खुशी का माहौल है। उनके सम्मान में 18 अप्रैल 2026 को एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें

गांव के गणमान्य लोगों ने उन्हें साफा व माला पहनाकर सम्मानित किया। समारोह में मनीराम मेंबर, गंगाविष्ण, गिरिराज, रामस्वरूप, रामसहाय अध्यापक, डॉ. राकेश, डायरेक्टर अशोक कुमार, यादराम, मीडिया प्रभारी संतोष धवन, धर्मेंद्र नगरवाल सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि प्रकाशचंद ने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया कि ग्रामीण प्रतिभाएं भी बड़े मंचों पर अपनी पहचान बना सकती हैं। ग्रामीणों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आने वाले समय में प्रकाशचंद राष्ट्रीय स्तर पर भी क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

जंजीरों में जकड़ी जिंदगी को किया आजाद

नागौर (रॉयल पत्रिका)। रियाबड़ी क्षेत्र में एक मानसिक तकलीफ़ से पीड़ित एक महिला को जंजीरों से मुक्त करवा कर इलाज शुरू करवाया। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी, रियाबड़ी के खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चेनाराम एवं जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ. राधेश्याम रोज (मनोरोग विशेषज्ञ) के सामूहिक प्रयास से मरीज के परिजनों को समझाइश करते हुए जंजीरों से आजाद करवाया साथ में इसके स्वास्थ्य का परीक्षण कर जेएलएन हॉस्पिटल नागौर में भर्ती कर इलाज शुरू करते हुए आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाई गई, साथ ही दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने की कार्यवाही भी की गई। परिजनों को मानसिक रोगों एवं उनके उपचार के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में भी अवगत करवाया ।

प्रत्येक जिले में सद्भावना सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे - एम. डी. चोपदार

-अंबेडकर जयंती पर जयपुर में संविधान जागरुकता सम्मेलन

-नरेंद्र बौद्ध सम्मानित, कांग्रेस ने एकता और संगठन मजबूत करने का दिया संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पीसीसी कार्यालय में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) द्वारा "संविधान जागरूकता एवं एकता सम्मेलन" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही। आयोजन के दौरान उत्साह और एकता का माहौल देखने को मिला।

संविधान की अहमियत पर नेताओं ने जोर दिया:-

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चोपदार ने कहा कि भारत के नागरिकों को मिली स्वतंत्रता, जैसे रोजगार चुनने का अधिकार, धर्म का पालन और जीवनशैली की आजादी, संविधान की देन है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सभी को समानता और सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया।

नव नियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया गया:-

इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी के नव-नियुक्त पदाधिकारियों, सोशल मीडिया टीम और असम विधानसभा चुनाव में सक्रिय रही टीम का सम्मान किया गया। सभी को शॉल ओढ़ाकर, साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया, जिससे कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा।

तिनसुकिया प्रभार के कार्यों की सराहना हुई:-

कार्यक्रम में एडवोकेट डॉ. नरेंद्र बौद्ध को तिनसुकिया प्रभार के दौरान किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें शॉल ओढ़ाकर और पगड़ी पहनाकर सम्मान दिया गया।

हर जिले में सद्भावना सम्मेलन आयोजित होंगे:-

बैठक में निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में प्रदेश के प्रत्येक जिले में "सद्भावना सम्मेलन" आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूत करना बताया गया।

वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी से आयोजन सफल रहा:-

कार्यक्रम में जयपुर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) अध्यक्ष सुनील शर्मा, संगठन महासचिव ललित तूनवाल, पीसीसी सचिव ताराचंद सैनी, महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी, आरसी चौधरी, एडवोकेट शगीर अहमद और प्रोफेसर हसीना सहित कई नेता मौजूद रहे। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाहों की रोकथाम का विधायक हरलाल सहारण ने किया पोस्टर विमोचन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा व बाल विवाहों की रोकथाम के लिए काम कर रहे संगठन राजस्थान महिला कल्याण मंडल संस्था ने अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सतर्कता दिवस मनाया। कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण के द्वारा बाल विवाह रोकथाम हेतु अक्षय तृतीया का पोस्टर विमोचन किया गया वे बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की गई। इसमें बाल अधिकारिता विभाग, बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) व पुलिस प्रशासन विशेषकर सदर पुलिस थाना चूरू व आशा यूनिटों ने भी सहयोग दिया और चूरू जिले में बाल विवाह की रोकथाम का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों को विधायक हरलाल सहारण द्वारा संबोधित करते हुए कहा गया कि संस्था द्वारा, जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर चूरू को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए स्कूलों, पंचायतों और गांवों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहा है और चूरू जिले में हजारों लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। संगठन खास तौर से बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील अक्षय तृतीया जैसे मौकों पर प्रशासन व सरकार के सहयोग से इसकी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाता रहा है। चूरू जिले में अब तक बाल विवाह के खिलाफ अभियान की सफलता पर संतोष जाहिर करते हुए राजस्थान महिला कल्याण मंडल के निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने कहा कि अक्षय तृतीया के शुभ दिन की आड़ में बाल विवाह जैसे अपराध को कतई स्वीकार नहीं

किया जा सकता। प्रशासन व नागरिक समाज संगठनों की सतर्कता से अब अक्षय तृतीया के दिन होने वाले बाल विवाहों की संख्या में खासी कमी आई है लेकिन हमें इसे पूरी तरह रोकने की जरूरत है। जिला समन्वयक रुकैया पठान द्वारा बताया कि चंद वर्षों पहले तक लोगों को यह भी नहीं पता था कि नाबालिग बच्चों की शादी बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुर्माना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साज-सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुर्माना हो सकता है। लेकिन जमीन पर हमारे गहन जागरूकता अभियानों से जागरूकता बढ़ी है और हालात बदले हैं। अब लोग बाल विवाहों की सूचना दे रहे हैं और प्रशासन तुरंत इसकी रोकथाम के लिए कार्रवाई कर रहा है। यह एक उल्लेखनीय बदलाव है और हमें विश्वास है कि हम 2030 से पहले ही चूरू को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। कार्यक्रम में पदम सिंह राठौड़ संयोजक विधानसभा चूरू, असग़र अली जोइया जिला प्रभारी अल्पसंख्यक चूरू, चाइल्ड हेल्पलाइन जिला समन्वयक पन्ने सिंह, अभिषेक चोटिया महामंत्री भाजपा, रचना कोठारी अनुव्रत संस्थान चूरू, रैस्क्यू सामने वादों रिज़वान ख़ान, सुमन चोपड़ा, राजेंद्र चोपड़ा, उदय सिंह आदि उपस्थित रहे।

हंसिका मोटवानी
ने याद किए पुराने दिन

इन दो शोज को बताया करियर का टर्निंग पॉइंट

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने अपनी मेहनत से खुद को स्थापित किया है। बाल कलाकार के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने इंडस्ट्री में काफी समय गुजारा है। अपने सफर को याद करते हुए अभिनेत्री ने एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पॉडकास्ट का क्लिप शेयर किया। इसमें उन्होंने बताया कि वे खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था। अभिनेत्री कहती हैं, 'मैं इसे ब्लेसिंग ही मानती हूं कि मैं बहुत जल्द ही एक बाल कलाकार बनी। मैं खुद को हमेशा एक बाल कलाकार के तौर पर देखती हूं। मैंने सिर्फ 8 साल की उम्र में ही काम शुरू कर दिया था। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री से जुड़ गई। 'उन्होंने आगे कहा कि इस बात का सबसे अच्छा पहलू यह रहा कि उन्होंने इंडस्ट्री को दोनों दौर में देखा। उन्होंने कहा, 'एक दौर में जब मैगजीन पर कैमरा होता था और आज के डिजिटल युग में, मैं अपने आपको बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे बहुत अच्छे लोग मिले। उस समय टीवी बहुत बड़ा था। डेली सोप्स और किशोरों पर आधारित धारावाहिकों का खूब बोलबाला था। 'अभिनेत्री ने दो शो का जिक्र किया, जो उनके करियर के लिए बहुत सफल रहे थे। उन्होंने कहा, ''शाका लाका बूम बूम' और दूसरा 'देश में निकला होगा चांद' से मुझे काफी लोकप्रियता मिली थी। 'उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए कहा, 'मैं खुशकिस्मत थी कि उस दौर में भी मेरे आस-पास हमेशा अच्छे लोग रहे। इन शोज ने मुझे घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। 'हंसिका मोटवानी ने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय बाल कलाकार के रूप में की थी, जो बाद में दक्षिण भारतीय सिनेमा (तमिल और तेलुगु) की एक प्रमुख अभिनेत्री बन गईं। उन्होंने टेलीविजन शो 'शाका लाका बूम बूम', 'देश में निकला होगा चांद' और ऋतिक रोशन के साथ फिल्म 'कोई मिल गया' में अभिनय किया।

विजय देवरकोंडा-शौर्यंयुव ने मिलाया नए प्रोजेक्ट के लिए हाथ, दमदार पोस्टर संग की घोषणा!

शुरुआत हुई थी इस बात से कि 'यह सारा गुस्सा कभी प्यार था '... लेकिन अब यह आपको कहने पर मजबूर कर देता है - 'दैट्स ए रोर'। एक्टर विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर शौर्यंयुव एक ऐसे प्रोजेक्ट के लिए साथ आए हैं जो बड़े स्केल, ऊंचे इरादों और ग्लोबल सिनेमा की तरफ एक साहसी कदम का इशारा देता है। इसमें विजय वैसे नहीं दिखेंगे जैसा आपने उन्हें आज तक देखा है, बल्कि वैसे नजर आएंगे जैसा आपने कभी सोचा भी नहीं होगा। अनाउंसमेंट पोस्टर में विजय देवरकोंडा को लोहे की जंजीरों से बंधे चार कुत्तों के साथ आगे बढ़ते हुए दिखाया गया है, जबकि उनके पीछे 6-7 आदमी चल रहे हैं। यह 'ड्रीम कलेक्टिव' है, जो दुनिया भर के बेहतरीन क्रिएटिव और टेक्निकल टैलेंट की एक पावरफुल टीम है। इनमें से हर एक को बहुत सोच-समझकर चुना गया है, हर कोई अहम है और हर कोई अपने आप में मजबूत है। यह पोस्टर सिर्फ एक फिल्म का ऐलान नहीं है, बल्कि यह उस चीज को बनाने के बारे में है जो तभी मुमकिन है जब ये सब एक साथ आएं।

https://www.instagram.com/p/DXQum90gWME/?utm_source=ig_web_copy_link&igsh=NTcyMTIwNjQ2YQ==

टीम ने 'दैट्स ए रोर' नाम से एक थीम सॉन्ग भी जारी किया है। यह गाना इस बारे में है कि जिंदगी आपके सामने कैसी भी मुश्किलें क्यों न खड़ी कर दे, आपको हार नहीं माननी है। यह दिखाता है कि कैसे एक इंसान दर्द, संघर्ष और नाकामियों का सामना करने के बावजूद फिर से खड़े होने और आगे बढ़ने का फैसला करता है। यह कहता है कि ताकतवर होने के लिए आपको नाम या शोहरत की जरूरत नहीं है, असली ताकत कभी हार न मानने में है। जब आप मुश्किल वक्त में भी एक छोटा कदम बढ़ाते हैं, तो वही आपकी असली 'दहाड़' है। यह प्रोजेक्ट एक पैरेलल माइथोलॉजिकल यूनिवर्स में सेट है–एक ऐसी दुनिया जो प्राचीन तो लगती है पर पूरी तरह काल्पनिक है। यह जानी-पहचानी होते हुए भी एकदम नई और ओरिजिनल है। यह पौराणिक कथाओं की आत्मा से जुड़ी है लेकिन उनकी सीमाओं में बंधने से इनकार करती है। यह एक ऐसा धमाका है जो उम्मीदों को आसमान पर ले जाता है। टीम में बड़े ग्लोबल नामों के जुड़ने से विजय देवरकोंडा और शौर्यंयुव दुनिया भर में छा जाने के लिए तैयार हैं और इस प्रोजेक्ट की हर एक चीज एकदम किलर लग रही है। विजय देवरकोंडा भारतीय सिनेमा के सबसे डायनेमिक और उभरते हुए सितारों में से एक हैं, जो हमेशा अलग और चुनौतीपूर्ण विषय चुनने के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म के साथ वो एक ऐसी जगह कदम रख रहे हैं जो इमोशनली गहरी और विजुअली काफी ग्रैंड है, जो उनके सफर में एक बड़ा बदलाव है। डायरेक्टर शौर्यंयुव, जिन्होंने अपनी फिल्म 'हाय नन्ना' से तेलुगु दर्शकों का दिल जीता था, अब अपनी सोच को एक ऐसी कहानी के साथ बड़े लेवल पर ले जा रहे हैं जो गहराई और भव्यता दोनों का वादा करती है। यह फिल्म उनके पिछले काम से बिल्कुल अलग है, जो सीमाओं से परे जाकर कहानियां सुनाने के उनके इरादे को दिखाती है। वायरा के बैनर तले बन रहा यह अभी तक बिना नाम वाला प्रोजेक्ट दुनिया भर के बेहतरीन क्रिएटिव लोगों को एक साथ लाता है। यह एक दुर्लभ मौका है जहाँ हर डिपार्टमेंट को इंटरनेशनल लेवल का टैलेंट संभाल रहा है। इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात इसकी वर्ल्ड-क्लास टेक्निकल टीम है: अलेजांद्रो मार्टिनेज (DOP), जो 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' और 'फॉलआउट' जैसे ग्लोबल प्रोडक्शन के लिए जाने जाते हैं, वो फिल्म में एक इंटरनेशनल विजुअल अंदाज लेकर आ रहे हैं। सुरेश सेल्वराजन (प्रोडक्शन डिजाइनर), जो 'एनिमल' और 'ओम शांति ओम' जैसी फिल्मों की भव्य दुनिया के पीछे के मास्टरमाइंड हैं। एरिक डर्स्ट (VFX सुपरवाइजर), जिन्होंने 'गॉड्स ऑफ इजिप्ट', 'बैटमैन फॉरएवर' और 'स्नोपियरसर' जैसी फिल्मों पर काम किया है। हेशम अब्दुल वहाब (म्यूजिक डायरेक्टर), जो भारत के सबसे प्रभावशाली संगीतकारों में से एक हैं। प्रवीण एंटनी (एडिटर), जो पकड़ बनाने वाली कहानियों को आकार देने के लिए जाने जाते हैं, और सचिन लोवलेकर (कॉस्ट्यूम डिजाइनर), जिनके नाम कई मशहूर फिल्में दर्ज हैं। यह अनाउंसमेंट पोस्टर खुद में बहुत कुछ कहता है; विजय देवरकोंडा और शौर्यंयुव एक ऐसी टीम की अगुवाई कर रहे हैं जो अपने हुनर के योद्धाओं जैसी लग रही है। अलग-अलग इंडस्ट्री और दुनिया भर के टैलेंट के साथ यह प्रोजेक्ट ग्लोबल लेवल पर सिनेमा बनाने की एक साहसी कोशिश है।

'दृश्यम 3' डायरेक्टर अभिषेक पाठक बने पिता पत्नी शिवालिका ने बेटी को दिया जन्म

डायरेक्टर अभिषेक पाठक और एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय के घर अक्षय तृतीया 2026 को एक प्यारी सी बेटी का जन्म हुआ। ये खुशखबरी कपल ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को दी है।'दृश्यम 3' के डायरेक्टर अभिषेक पाठक और उनकी पत्नी-एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय ने अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर एक नन्ही परी का स्वागत किया है। इस कपल ने फरवरी 2023 में गोवा में शादी की थी और 19 दिसंबर, 2025 को प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट की। हाल ही में अभिषेक और शिवालिका ने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ बेबी शॉवर आयोजित किया था, जिसकी तस्वीरें और वीडियो खूब चर्चा में रहीं। अब इस मशहूर कपल ने बेटी के जन्म की खुशखबरी दी है।

निकाह के लिए अपनाया था इस्लाम

चाहत खन्ना
ने धर्म परिवर्तन के कंट्रोवर्सी पर तोड़ी चुप्पी

टीवी अभिनेत्री चाहत खन्ना ने अपनी शादी, तलाक और धार्मिक बदलावों पर खुलकर बात की, जिसमें उन्होंने बताया कि इस्लाम अपनाना उनका स्वैच्छिक निर्णय था और अब वह सनातन धर्म में वापस आकर खुश हैं। खुद को एक सेक्युलर इंसान बताते हुए चाहत ने कहा कि वह अपनी जड़ों में लौटकर जीवन की सच्चाइयों को समझ पाई हैं। लोकप्रिय टीवी शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री चाहत खन्ना इन दिनों अपनी निजी जिंदगी और धार्मिक विश्वासों को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, चाहत ने अपने अतीत, धर्म परिवर्तन और उस दौरान झेली गई आलोचनाओं पर खुलकर बात की है। फरहान मिर्जा के साथ शादी के दौरान इस्लाम धर्म अपनाने को लेकर चाहत ने साफ किया कि यह उनका अपना फैसला था। उन्होंने बताया, 'मैंने अपनी मर्जी से इस्लाम अपनाया था क्योंकि मैं निकाह करना चाहती थी। किसी ने मुझ पर दबाव नहीं डाला था।' चाहत ने खुद को एक 'सेक्युलर' इंसान बताते हुए कहा कि वह ईद और दिवाली दोनों ही समान उत्साह के साथ मनाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह आज भी इस्लाम के कुछ बुनियादी सिद्धांतों का सम्मान करती हैं। तलाक के बाद अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में बात करते हुए चाहत ने बताया कि उन्हें अपनी असल पहचान में वापस आने में काफी समय लगा। उन्होंने कहा, 'जब मैं अपनी जड़ों यानी सनातन धर्म में वापस लौटी, तो मुझे जीवन की बड़ी सच्चाइयों का एहसास हुआ। मैं एक भटके हुए बच्चे की तरह उस रास्ते पर चल पड़ी थी, लेकिन अब मैं बहुत खुश हूं कि मैं अपने घर वापस आ गई हूं।' अभिनेत्री ने माना कि उस दौर में वह दूसरों के प्रभाव में थीं, लेकिन अब वह एक सचेत और समझदारी भरी जिंदगी जी रही हैं।

जहाँ धैर्य खत्म, वहाँ परशुराम का फरसा शुरू! 'महावतार परशुराम' का पहला पोस्टर आउट, भगवान विष्णु के छठे अवतार की दिखेगी भव्य कहानी!

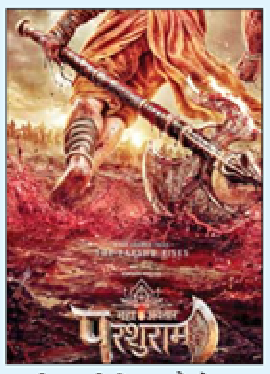

महावतार नरसिम्हा' के बाद, जिसे होम्बले फिल्म्स ने पेश किया था और कलीम प्रोडक्शन ने बनाया था, अब 'महावतार परशुराम' इस सात-भागों वाले महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स की दूसरी किस्त के रूप में सामने आ रही है। भगवान विष्णु के दस अवतारों पर आधारित इस ग्रैंड यूनिवर्स को होम्बले फिल्म्स और कलीम प्रोडक्शन मिलकर तैयार कर रहे हैं। आखिरकार इंतजार खत्म हुआ! भगवान विष्णु के दस अवतारों पर आधारित सात-भागों वाला एनिमेटेड 'महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स' अपनी दूसरी किस्त 'महावतार परशुराम' के साथ वापसी कर रहा है। होम्बले फिल्म्स और कलीम प्रोडक्शन की 'महावतार नरसिम्हा' की शानदार सफलता के बाद अब अगली बड़ी फिल्म की तैयारी है। मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक एक रोमांचक पोस्टर के साथ शेयर की है, जो एक बेहतरीन विजुअल स्पेक्टेकल होने का वादा करती है। भारत के सबसे बड़े सिनेमैटिक यूनिवर्स का यह दूसरा हिस्सा अश्विन कुमार के निर्देशन में बन रहा है, जो आज के समय के बेहतरीन क्रिएटिव माइंड्स में से एक हैं।'महावतार नरसिम्हा' को देखने के बाद से ही फैंस के बीच इसकी अगली फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह था। अब मेकर्स ने एक विजुअली शानदार पोस्टर के साथ इसका ऑफिशियल ऐलान कर दिया है। फिल्म की टैगलाइन है– 'जहाँ धैर्य समाप्त होता है, वहाँ परशुराम का फरसा शुरू होता है! '–यह लाइन ही फिल्म के दमदार प्रभाव को बताने के लिए काफी है। इसके जरिए मेकर्स भगवान विष्णु के छठे अवतार, परशुराम की कहानी को भव्य और प्रभावशाली तरीके से पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म दिखाएगी कि कैसे विष्णु जी ने उन भ्रष्ट और अहंकारी राजाओं के अत्याचार को खत्म करने के लिए अवतार लिया, जिन्होंने धर्म का रास्ता छोड़ दिया था। फिल्म की सांस्कृतिक और भावनात्मक नींव पर बात करते हुए प्रोड्यूसर विजय किरागांदुर ने कहा, 'हमारी कहानियाँ ही हमारी ताकत हैं। महावतार परशुराम के साथ हमारा लक्ष्य दर्शकों को अपनी जड़ों की शक्ति से फिर से जोड़ना है, और इसे एक ऐसे फॉर्मेट में पेश करना है जो आज की पीढ़ी को पसंद आए। यह विरासत, शक्ति और उद्देश्य की कहानी है। ''महावतार नरसिम्हा' ने अपने अद्भुत विजुअल्स की वजह से इसे भारत का सबसे बड़ा सिनेमैटिक यूनिवर्स बना दिया था। इसने एंटरटेनमेंट की दुनिया में एक बड़ा सांस्कृतिक बदलाव लाया और अब 'महावतार परशुराम' के साथ यह सफर एक अलग ही स्तर पर जाने वाला है। पहली फिल्म के दौरान थिएटर मंदिर बन गए थे, जहाँ लोग सिनेमा हॉल के बाहर जूते उतारकर प्रार्थना और भजन कर रहे थे। अब पूरा देश इस यूनिवर्स के अगले अध्याय के लिए तैयार है, जो बड़े पर्दे पर भारतीय कहानियों के असली प्रभाव को दिखाता है। यह फिल्म वाराणसी, रामायण और कल्कि 2898 AD जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स की लिस्ट में शामिल हो गई है। KGF, सालार और कांतारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले होम्बले फिल्म्स की ओर से यह एक और बड़ी पेशकश है। अश्विन कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म को होम्बले फिल्म्स और कलीम प्रोडक्शन के बैनर तले विजय किरागांदुर और शिल्पा धवन ने प्रोड्यूस किया है, जबकि इसका संगीत सैम सीएस (Sam CS) ने दिया है। nstagram.com/p/DXTVuKfGcqV/?igsh=MXR3bGpydTdoenY5eA==

रश्मिका मंदाना का असली एक्शन अवतार: 'मायसा' के लिए बैंकॉक में ली मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग, जल्द केरल में शुरू होगी शूटिंग

'नेशनल क्रश' रश्मिका मंदाना अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में कदम रख रही हैं, और इसकी वजह है उनकी आने वाली पैन-इंडिया एक्शन ड्रामा फिल्म 'मायसा' (Mysaa)। फिल्म की इंटेंस झलक ने पहले ही काफी चर्चा बटोर ली थी, लेकिन अब रश्मिका की ऑफ-स्क्रीन मेहनत उम्मीदों को और भी ज्यादा बढ़ा रही है। डेब्यू डायरेक्टर रविंद्र पुल्ले के निर्देशन और अनफॉर्मुला फिल्म्स के प्रोडक्शन में बन रही 'मैसा' में रश्मिका एक आदिवासी गोंड लड़की के रोल में हैं, एक ऐसा किरदार जिसमें इमोशनल गहराई के साथ-साथ जबरदस्त शारीरिक ताकत की भी जरूरत है। इंटरनेशनल एक्शन डायरेक्टर एंडी लॉन्ग की देखरेख में इसके स्टंट्स तैयार किए जा रहे हैं, जिससे यह फिल्म भारतीय सिनेमा में फीमेल-लेड एक्शन के लिए एक नया पैमाना सेट करने की तैयारी में है। फिल्म की स्क्रिप्ट सुनने के बाद रश्मिका ने एक बड़ा फैसला लिया और वह है खुद को इस रोल के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार करने का। एक्शन को एकदम असली और दमदार दिखाने के लिए रश्मिका बैंकॉक गई हैं, जहाँ वो एक इंटेंस स्टंट और कॉम्बैट बूटकैंप में हिस्सा ले रही हैं। वहाँ उनका डेली रूटीन काफी मुश्किल भरा है। वो हर दिन लगभग आठ घंटे ट्रेनिंग कर रही हैं, जिसमें वो दुनिया भर के एक्सपर्ट्स से एडवांस स्टंट तकनीक, हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और हाई-स्पीड एक्शन कोऑर्डिनेशन सीख रही हैं। उनकी ट्रेनिंग की तस्वीरों में रश्मिका का एक अलग ही रूप दिख रहा है, बेहद फोकस्ड और निडर, जो उनके अब तक के सॉफ्ट किरदारों से बिल्कुल अलग है।

https://www.instagram.com/stories/rawindrapulle/3877316205916818820utm_source=ig_story_item_share&igsh=NAQ&ZnAyeG5od2Nt

टीम जल्द ही केरल में फिल्म का एक अहम 16 दिनों का एक्शन शेड्यूल शुरू करेगी, और रश्मिका की मौजूदा ट्रेनिंग खास तौर पर इसी मुश्किल हिस्से के लिए तैयार की गई है। रश्मिका की इस कड़ी मेहनत को देखकर साफ है कि 'मैसा' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक बड़ा बदलाव और मील का पत्थर है जिसे वो हर हाल में हासिल करना चाहती हैं। जैसे-जैसे शूटिंग और तैयारी जोर-शोर से आगे बढ़ रही है, उनके इस अनोखे अवतार को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट भी बढ़ती जा रही है।फिल्म में ईश्वरी राव, गुरु सोमसुंदरम और राव रमेश जैसे बेहतरीन कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।श्रेयस पी कृष्णा सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं, जबकि जेक्स बिजॉय ने संगीत दिया है। इंटरनेशनल स्टंट कोरियोग्राफर एंडी लॉन्ग इस बड़े प्रोजेक्ट के एक्शन सीन्स की देखरेख कर रहे हैं।कास्ट: रश्मिका मंदाना, ईश्वरी राव, गुरु सोमसुंदरम, राव रमेश और अन्य।
टेक्निकल टीम: लेखक, निर्देशक: रविंद्र पुल्ले,प्रोड्यूसर्स:अनफॉर्मुला फिल्म्स
म्यूजिक: जेक्स बिजॉय, DOP: श्रेयस पी कृष्णा
मार्केटिंग: हैशटैग मीडिया

(साभार एजेंसी)

धोनी की चोट पर सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा जल्दी वापसी करेंगे

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन के दौरान महेंद्र सिंह धोनी की वापसी को लेकर उम्मीद जताई है। यह पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभी तक आईपीएल 2026 में नहीं खेल पाए है, क्योंकि वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। हालांकि यह दाएं हाथ का बल्लेबाज नेट सेशन कर रहा है, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह सीएसके की प्लेइंग 11 में कब वापसी करेंगे। शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 10 रन से हारने के बाद सीएसके के बैटिंग कोच हसी ने मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि धोनी रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और एक कोच के तौर पर वह उनकी बल्लेबाजी से संतुष्ट हैं। हसी ने कहा, वह अपने रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। और देखिए, मैं एक बैटिंग कोच हूं और मैं खुश हूं कि वह किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं। हसी ने कहा कि धोनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वह उनकी फॉर्म से संतुष्ट हैं। हसी ने बताया कि धोनी के ठीक होने का मुख्य मकसद दौड़ने की फिटनेस और गति को बेहतर बनाना है, खासकर पारी के आखिरी ओवरों में विकेटों के बीच तेजी से रन बनाने के लिए। हसी ने कहा कि उन्हें धोनी की वापसी की सही तारीख तो नहीं पता, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। सीएसके के बैटिंग कोच ने कहा, जैसा कि आपने कल ट्रेनिंग में देखा, वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह अपनी बल्लेबाजी के मौजूदा स्तर से काफी खुश थे। वह अभी बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर काम कर रहे हैं, क्योंकि अगर उन्हें पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करनी है, तो उन्हें दो रन और इस तरह के अन्य रन लेने के लिए तेजी से दौड़ना होगा। उन्हें बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर भरोसा जगाने और अपनी गति बढ़ाने की जरूरत है। मुझे नहीं पता कि वह कब खेलेंगे, लेकिन मुझे उम्मीद है कि सभी फैंस की तरह मैं भी चाहता हूं कि वह जल्द से जल्द वापसी करें।

पीसीआई का बड़ा फैसला

उत्पीड़न के आरोपों के बाद नीरज चोपड़ा के जेवलिन कोच बर्खास्त

नईदिल्ली(एजेंसी)। पैरालंपिक कमेटी आफ इंडिया पीसीआई ने बड़ा कदम उठाते हुए कोच नवल सिंह को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल द्वारा लगाए गए मानसिक उत्पीड़न के आरोपों और अन्य खिलाड़ियों की शिकायतों के बाद की गई, जिसमें नीरज चौपड़ा का नाम भी सामने आया।

सुमित अंतिल ने लगाए गंभीर आरोप – सुमित अंतिल ने नवल सिंह पर मानसिक प्रताड़ना और अपशब्द कहने के आरोप लगाए थे। उन्होंने इस मामले की शिकायत स्पोर्ट्स ऑथोराइट्स आफ इंडिया (साई) से भी की थी। अंतिल ने कहा कि कोच का व्यवहार खिलाड़ियों के लिए असहज और अपमानजनक था।

पीसीआई अध्यक्ष ने दी जानकारी –पीसीआई अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा- शिकायतें मिलने के बाद हमने तुरंत संज्ञान लिया। एथलीटों को अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया गया। आरोप गंभीर थे और शुरुआती सबूत भी मिले, जिसके बाद आपात बैठक में नवल सिंह को हटाने का फैसला लिया गया।

अन्य खिलाड़ियों ने भी की शिकायत – सिर्फ सुमित अंतिल ही नही, बल्कि अन्य खिलाड़ियों ने भी नवल सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नीरज चौपड़ा का नाम भी सामने आया, जिनके साथ कथित तौर पर गलत व्यवहार किया गया।

मानसिक उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के आरोप – सुमित अंतिल ने आरोप लगाया- नवल सिंह ने हमारा मानसिक उत्पीड़न किया और मेरे व नीरज के परिवार के साथ भी दुर्व्यवहार किया। वह जानबूझकर अपमानजनक बातें रिकॉर्ड कर टीम मैनेजमेंट के साथ साझा करते थे।

आपात बैठक के बाद लिया गया फैसला – पीसीआई ने सभी शिकायतों और मौखिक सुनवाई की समीक्षा के बाद आपात बैठक बुलाई। जांच में शुरुआती स्तर पर आरोप सही पाए जाने के बाद कमेटी ने सर्वसम्मति से नवल सिंह को तुरंत हटाने का निर्णय लिया।

कोचिंग करियर पर लगा ब्रेक – द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित नवल सिंह 2015 से कोचिंग कर रहे थे और हाल ही में एथलीट सचिन यादव को ट्रेनिंग दे रहे थे।

अगरकर को मिला इनाम: कॉन्ट्रैक्ट रीन्यू, 2027 तक बने रहेंगे मुख्य चयनकर्ता

मुंबई, एजेंसी। मुंबई भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कॉन्ट्रैक्ट को रीन्यू किया और इस तरह उनका कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ गया है। यह फैसला 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि टीम चयन में निरंतरता बनी रहे। हालांकि, अब से एक साल यानी जून 2027 तक के लिए उनके कार्यकाल का विस्तार हुआ है। अगले साल वनडे विश्वकप अक्तूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में होना है। ऐसे में अगरकर के कार्यकाल को तब भी विश्व कप तक के लिए बढ़ाया जा सकता है। विश्व कप से ठीक पहले चयनकर्ता में बदलाव टीम के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

अगरकर की अगुआई में अक्तूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच भारतीय टीम ने चार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल खेले, जिनमें से तीन में जीत हासिल की। इसमें दो टी20 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं। ऐसे में उनका कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू होना लगभग तय माना जा रहा था।

बीसीसीआई बताया, 'अगरकर ने खुद एक्सटेंशन नहीं मांगा। चयनकर्ता अधिकतम चार साल तक काम कर सकता है, इसलिए उनका कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया नहीं बल्कि रीन्यू किया गया है।' सूत्रों के मुताबिक, अगरकर हमेशा चाहते थे कि उनका प्रदर्शन ही उनके भविष्य का फैसला करे।

बड़े फैसलों से बदली टीम

अगरकर के कार्यकाल में चयन समिति ने कई अहम और साहसी फैसले लिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट संन्यास को सिंपल तरीके से संभालने के साथ-साथ अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के रिप्लेसमेंट के तौर पर नए तेज गेंदबाजों को मौका देना शामिल है। इसके अलावा, टी20 वर्ल्ड कप में शुभमन गिल को बाहर कर फॉर्म में चल रहे ईशान किशन को मौका देना भी एक बड़ा और साहसी निर्णय रहा।

2027 वर्ल्ड कप पर फोकस

बीसीसीआई का मानना है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम में स्थिरता बेहद जरूरी है। अगरकर के बने रहने से चयन प्रक्रिया में निरंतरता बनी रहेगी और टीम को लंबी योजना के तहत तैयार किया जा सकेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ अगरकर की जुगलबंदी भी अभी तक शानदार रही है। हालांकि, टेस्ट में भारत को अपने घर में हार का मुंह देखना पड़ा है। इसे भी आने वाले समय में अगरकर सुधारने की कोशिश करेंगे।

अर्जेंटीना के खिलाफ भारतीय महिला हॉकी टीम की शानदार वापसी, सीरीज 2-2 से ड्रॉ

ब्यूनर्सआयर्स (एजेंसी)। ब्यूनस आयर्स में खेली गई चार मैचों की श्रृंखला में भारतीय महिला हॉकी टीम ने दमदार जज्बा दिखाते हुए अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। शुरुआती दो मुकाबले हारने के बाद टीम इंडिया ने जबरदस्त वापसी करते हुए आखिरी दो मैच जीतकर सीरीज ड्रॉ कर ली। इस प्रदर्शन ने टीम की मानसिक मजबूती और जुझारूपन को दर्शाया।

पहले दो मैचों में अर्जेंटीना का दबदबा – श्रृंखला की शुरुआत 13 अप्रैल को हुई, जहां पहले मैच में अर्जेंटीना ने भारत को 4-2 से हराया। भारत के लिए नवनीत कौर और अन्नु ने गोल किए, लेकिन मेजबान टीम की आक्रामकता के सामने यह नाकाफी साबित हुआ। जूलिएटा जांकुनास ने दो गोल दागकर मैच का रुख तय किया। दूसरे मैच में भी अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत दर्ज की। भारत के लिए इशिका ने एकमात्र गोल किया, जबकि आगस्टिना

गोर्जेलानी ने दो गोल कर अपनी टीम को लगातार दूसरी जीत दिलाई। इस हार के बाद भारत पर सीरीज गंवाने का खतरा मंडराने लगा था।

तीसरे मैच से भारत की दमदार वापसी- 16 अप्रैल को खेले गए तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। नवनीत कौर और नेहा ने गोल कर टीम को मजबूती दी। इस जीत ने भारत को सीरीज में वापसी का मौका दिया और खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया। भारतीय टीम ने इस मैच में आक्रामक और संतुलित खेल दिखाया, जिससे अर्जेंटीना की टीम दबाव में नजर आई।

आखिरी मैच में शूटआउट से जीती टीम इंडिया – 17 अप्रैल को खेले गए चौथे और आखिरी मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को कोई मौका नहीं दिया।

राशिद खान के घर गूंजी किलकारी, पत्नी ने दिया बेटे को जन्म

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिन गेंदबाज राशिद खान पिता बन गए हैं। उन्होंने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट के जरिए दी है। राशिद ने अपने बेटे का नाम 'अजलान' रखा है। राशिद आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेल रहे हैं।

राशिद ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, 'अल्हम्दुलिल्लाह। दुनिया में तुम्हारा स्वागत है, मेरे नन्हे राजकुमार।' उन्होंने अपने चाहने वालों से गुजारिश की कि वे उनके परिवार के लिए दुआ करें। इस पोस्ट पर जल्द ही साथी क्रिकेटरों और क्रिकेट जगत के लोगों की तरफ से बधाई संदेश आने लगे। राशिद ने पिछले साल दूसरी शादी की थी, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी थी।

लियोनल मेसी का डबल धमाका

इंटर मियामी ने कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हराया

डेनवर, एजेंसी। लियोनल मेसी की कप्तानी में इंटर मियामी ने एक रोमांचक मुकाबले में कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हरा दिया। 75,824 दर्शकों की मौजूदगी में यह मैच एम्पावर फील्ड एट माइल हाई में खेला गया। मेजर लीग सॉकर के इतिहास की यह दूसरी सबसे बड़ी उपस्थिति थी। मियामी की जीत में कप्तान लियोनल मेसी की अहम भूमिका रही। मेसी ने दो गोल करते हुए टीम को जीत दिलायी।

मैच की शुरुआत से ही इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया। 18वें मिनट में मेसी ने पेनल्टी के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन में उनका छठा गोल था। पहले हाफ के अंत में, स्टॉपेज टाइम में जर्मन बर्टेराम ने शानदार हेडर के जरिए मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल में सिल्वेटी का सटीक क्रॉस अहम रहा, जो इस सीजन में उनका तीसरा असिस्ट था।

मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंचा

दूसरे हाफ में कोलोराडो रैपिड्स ने जोरदार वापसी की। 58वें मिनट में राफेल नवारो और 62वें मिनट में डैरेन यापी ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका था और दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष कर रही थीं। हालांकि, 79वें मिनट में मेसी ने एक बार फिर अपना जादू दिखाया। उन्होंने रोद्रिगो डी पॉल के पास पर शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में पहुंचाया, जबकि डी पॉल का तीसरा असिस्ट रहा। मैच में अंत तक इंटर मियामी ने अपनी बढ़त बनाए रखी और 3-2 से जीत हासिल कर तीन अहम अंक अपने नाम किए। इस जीत के साथ टीम ने सीजन में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है, जहां अब तक वह तीन जीत, एक ड्रॉ और एक हार के साथ 13 अंक हासिल कर चुकी है। इंटर मियामी अब अगले मुकाबले में फिर से कोलोराडो रैपिड्स का सामना करने के लिए डेनवर का दौरा करेगा, जहां एक और रोमांचक भिड़ंत की उम्मीद की जा रही है।

अगरकर का कार्यकाल बढ़ा, 2027 वनडे वर्ल्डकप तक टीम चुनेंगे

इनके रहते में भारत ने 3 आईसीसी खिताब जीते; रोहित-कोहली जैसे दिग्गजों का संन्यास

मुंबई (एजेंसी)। बीसीसीआईमने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर का कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। अब वे 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक इस पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि अगरकर का कार्यकाल रिन्यू किया गया है, एक्सटेंड नहीं। वे अपनी परफॉर्मेंस के आधार पर चौथे साल के लिए पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई के नियमों के मुताबिक, सिलेक्टर अधिकतम चार साल तक पद पर रह सकता है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि अगरकर ने खुद बीसीसीआई से अपना कार्यकाल 2027 वनडे वर्ल्ड कप बढ़ाने की मांग की थी। बोर्ड ने 2023 में दो साल के लिए अगरकर को चीफ सिलेक्टर बनाया था। 2025 में उन्हें पहले ही एक साल का एक्सटेंशन मिल चुका था। अब उनका कार्यकाल 2027 तक के लिए रिन्यू किया जा रहा है। इस तरह अगरकर कुल चार साल चीफ सिलेक्टर रहेंगे।

कार्यकाल में भारत के नाम दो टी-20 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी

अजित अगरकर का अब तक का कार्यकाल बेहद सफल रहा। अक्टूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच उनके द्वारा चुनी गई भारतीय टीमों ने चार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में जगह बनाई। इनमें से भारत ने तीन खिताब अपने नाम किए। 2024 और 2026 में दो टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी। इसके अलावा, टीम इंडिया 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

कोहली-रोहित के संन्यास और शमी को बाहर करने जैसे कड़े फैसले – अगरकर की अगुवाई वाली कमेटी ने कई कड़े और बड़े फैसले लिए। इसमें सबसे प्रमुख विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की प्रक्रिया को संभालना और सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर करना था। वहीं 2026 टी-20 वर्ल्ड कप टीम से टेस्ट और वनडे कैप्टन शुभमन गिल को ड्रॉप करके ईशान किशन जैसे इन-फॉर्म खिलाड़ी को मौका देने जैसे बड़े फैसले भी लिए।

2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए कंटिन्यूटी पर फोकस – अगला वनडे वर्ल्ड कप 2027 में होना है। बीसीसीआई चाहता है कि टीम की कोर और चयन प्रक्रिया में स्थिरता बनी रहे। अगरकर का कार्यकाल बढ़ने का मतलब है कि वे अगले वर्ल्ड कप के लिए टीम तैयार करने के मिशन पर काम जारी रखेंगे। बोर्ड का मानना है कि इस समय चयन समिति के नेतृत्व में बदलाव करना टीम की लय को बिगाड़ सकता है।

आयुष म्हात्रे के हैमस्ट्रिंग चोट की पुष्टि

सीएसके कोच ने कहा – यह काफी गंभीर लग रही है

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बैटिंग कोच माइकल हसी ने बताया कि आयुष म्हात्रे को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव (आ गया है और यह काफी गंभीर लग रही है। शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सीएसके के मैच के दौरान 18 साल के इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को विकेटों के बीच दौड़ते समय परेशानी का सामना करते देखा गया था।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में माइकल हसी ने पुष्टि की कि आयुष म्हात्रे को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है। उन्होंने कहा कि स्कैन होने तक चोट की गंभीरता के बारे में ठीक-ठीक कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन उन्होंने माना कि यह गंभीर लग रही है और खिलाड़ी की अच्छी फॉर्म को देखते हुए यह टीम के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। माइकल हसी ने कहा, यह हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है। पता नहीं यह कितना गंभीर है। हम शायद कल या परसों उसका स्कैन करवाएंगे। मुझे पक्का नहीं पता, लेकिन हां, यह काफी गंभीर लग रही है। बदकिस्मती से, उसका बाहर होना टीम के लिए एक बड़ा नुकसान होगा क्योंकि वह बहुत अच्छी फॉर्म में था। सीएसके यह मैच एसआरएच से 10 रनों से हार गई, लेकिन आयुष म्हात्रे ने सिर्फ 13 गेंदों में 30 रनों की तेज पारी खेलकर सबको प्रभावित किया। वह इससे पहले भी शानदार फॉर्म में थे; उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 17 गेंदों में 38 रन बनाए थे और इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 59 और पंजाब किंग्स के खिलाफ 73 रनों की यादगार पारियां भी खेली थीं।

पूर्व क्रिकेटर अश्विन ने बताई वजह

क्यों रन नहीं बना पा रहे ऋतुराज गायकवाड़...

चेन्नई, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच में फॉर्म में वापसी करने का एक शानदार मौका गंवा दिया। सनराइजर्स ने शनिवार को खेले गए मैच में सीएसके को 10 रन से हराया। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाए जिसके जवाब में सीएसके आठ विकेट पर 184 रन ही बना पाया। अश्विन ने कहा कि गायकवाड़ दबाव में नजर आ रहे हैं।

अश्विन ने जियोस्टार से कहा, 'ऋतुराज के लिए रन बनाने का यह सबसे अच्छा मौका था। आयुष म्हात्रे की अच्छी शुरुआत को देखते हुए उन्हें जोखिम लेने या तेज गति से रन बनाने की जरूरत नहीं थी। पावरप्ले में उनकी टीम पूरी तरह हावी थे। रुतुराज के पास क्रीज पर कुछ समय बिताने , कुछ रन बनाने और फॉर्म में वापसी करने का सुनहरा अवसर था।'

अश्विन ने कहा, 'आयुष म्हात्रे का विकेट गिरने के बाद, ऋतुराज को एक बहुत अच्छी गेंद मिली, वह पुल शॉट अच्छी तरह से खेलता है लेकिन मुझे लगता है कि वह बहुत दबाव में है और उसका दिमाग थोड़ा उलझन में है।' ऋतुराज ने आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपने पहले छह मैचों में केवल 82 रन बनाए हैं। उनका औसत मात्र 13.67 और स्ट्राइक रेट 112.33 है। सनराइजर्स की तरफ से श्रीलंका के तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा ने शानदार प्रदर्शन किया और तीन विकेट लिए। सनराइजर्स के गेंदबाजी कोच वरुण एरॉन ने उनकी जमकर तारीफ की।

एरॉन ने कहा, 'ईशान मलिंगा को कम करके आंका जाता है। उन्होंने शुरू से ही अच्छी गेंदबाजी की है। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। खासकर जब गेंद रिवर्स स्विंग होती है, तो डेथ ओवरों में वह और भी प्रभावी हो जाता है।

अगर आप कहें तो रिटायर हो जाऊं: मोहम्मद रिजवान

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मो. रिजवान ने खराब फॉर्म को लेकर हो रही आलोचना पर खुलकर बात की है। पीसीएल 2026 में टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद रिजवान ने माना कि उनकी मौजूदा फॉर्म टी20 टीम में जगह के लायक नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि वह हार मानने वाले नहीं हैं।

रिजवान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने पहले भी स्वीकार किया था कि खराब प्रदर्शन के आधार पर वह टीम में जगह के हकदार नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैं बिग बैश लीग खेल रहा था, तब भी मैंने कहा था कि इस प्रदर्शन के आधार पर मैं पाकिस्तान टीम में जगह डिजर्व नहीं करता। लोग कहते थे कि मैं छक्के नहीं मार सकता, लेकिन मैं हमेशा सच बोलता हूं।'

रिजवान ने खुलासा किया कि उन्होंने राउफ से भी यही बात कही थी। उन्होंने कहा, 'हारिस रऊफ यहां बैठे हैं, वह गवाह हैं। हमने डिनर के दौरान बात की थी और मैंने उनसे भी कहा था कि मेरी मौजूदा फॉर्म के आधार पर मुझे टीम में नहीं होना चाहिए।'

रिजवान ने साफ कहा कि वह मुश्किल सवालों से नहीं डरते और अगर लोग उन्हें रिटायर होने की सलाह देते हैं, तो वह इस पर भी विचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हम सब इंसान हैं। मैंने अपनी गलतियां मानी हैं। अगर आप सोचते हैं कि मुझे इस उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा।'

खराब फॉर्म के बावजूद रिजवान ने वापसी का भरोसा जताया और कहा कि क्रिकेट ही उनकी पहचान है। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट मेरा जुनून है। मैं इससे दूर नहीं जा सकता। अभी मैं फेल हुआ हूं, शायद मेहनत कम थी, लेकिन मैं और मेहनत करके वापसी करूंगा।' हालांकि टेस्ट क्रिकेट में उनके पास वापसी का मौका है, जहां पाकिस्तान जल्द ही बांग्लादेश दौरे पर जाएगा।

अमेरिका की अतिवादी मांगों की वजह से सीधी बातचीत रुकी : ईरानी मंत्री

» अंताल्या (तुर्किए), भाषा।

ईरान के उप विदेशमंत्री ने कहा है कि ईरान फिलहाल अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ सीधी बातचीत का एक नया दौर शुरू करने का इच्छुक नहीं है और इसका कारण प्रमुख मुद्दों पर वाशिंगटन का अतिवादी मांगों को छोड़ने से इनकार करना है। तुर्किए में एक राजनयिक मंच के कार्यक्रम से इतर ईरान के उप विदेशमंत्री सईद खतीबजादेह ने शनिवार को एसोसिएटेड प्रेस को दिए साक्षात्कार में कहा कि उनका देश अपना संवर्धित यूरेनियम अमेरिका को नहीं सौंपेगा। इसी के साथ उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए गए दावों को खारिज कर दिया। खतीबजादेह ने कहा, मैं आपको बता सकता हूं कि किसी भी प्रकार का संवर्धित यूरेनियम अमेरिका नहीं भेजा जाएगा। यह बिल्कुल अस्वीकार्य है।

हालांकि मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हम किसी भी चिंता का समाधान करने के लिए तैयार हैं, लेकिन हम ऐसी किसी भी बात को स्वीकार नहीं करेंगे जो अस्वीकार्य हो। ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया था कि अमेरिका, ईरान में घुसकर सारी परमाणु सामग्री हासिल कर लेगा। उनका इशारा पिछले साल अमेरिकी सैन्य हमलों से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए परमाणु केंद्रों में कथित तौर पर दबे 440 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम की ओर था। खतीबजादेह ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच संदेशों का कई बार आदान-प्रदान हुआ है। उन्होंने लेकिन अमेरिका पर उन मांगों पर अड़े रहने का आरोप लगाया जिन्हें ईरान अतिवादी मानता है। ईरान के उप विदेशमंत्री ने कहा, हम अभी तक वास्तविक बैठक की स्थिति में नहीं हैं क्योंकि कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर अमेरिकियों ने अभी तक अपना अतिवादी रुख नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि ईरान आमने-सामने की बैठक से पहले एक समझौते ढांचा को अंतिम रूप देना चाहता है। ईरानी मंत्री ने अमेरिका के साथ हुई बातचीत के विशिष्ट विवरण देने या यह बताने से इनकार कर दिया कि कौन से मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं, लेकिन उन्होंने अमेरिका से ईरान की चिंताओं को दूर करने का आह्वान किया, जिसमें ईरान पर लगाए गए प्रतिबंध भी शामिल हैं। खतीबजादेह ने कहा, अन्य पक्षों को भी हमारी मुख्य चिंताओं को समझना और उनका समाधान करना चाहिए, जो कि ईरानियों पर अमेरिकियों द्वारा लगाए गए अवैध एकतरफा प्रतिबंध और आर्थिक आतंकवाद है। इन प्रतिबंधों को ईरानी लोगों का दम घोंटने और उन्हें ईरान के भीतर की राजनीतिक संरचना के खिलाफ विद्रोह करने के लिए लगाया गया है। खतीबजादेह से जब पूछा गया कि क्या ईरान युद्धविराम के बावजूद लेबनान पर इजराइल द्वारा नए सिरे से किए गए हमलों का जवाब देगा, तो उन्होंने कहा, ईरान के पास हमलावरों को हमेशा के लिए रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ट्रंप ने कहा है अमेरिका ने इजराइल को लेबनान पर और हमले करने से रोक दिया है और इजराइल-हिजबुल्ला युद्ध बहुत हो गया है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह रोक केवल आक्रामक कार्रवाई पर लागू होती है, न कि आत्मरक्षा में की गई कार्रवाईयों पर। खतीबजादेह ने ईरान के इस रुख को दोहराया कि तेहरान की कार्रवाई रक्षात्मक थी और वार्ता के बीच हो रही अकारण आक्रामकता के जवाब में की गई थी। उन्होंने ईरान के इस रुख को भी दोहराया कि युद्धविराम लेबनान तक भी बढ़ाया जाना चाहिए, जहां इजराइल ईरान समर्थित चरमपंथी समूह हिजबुल्ला से लड़ रहा है। खतीबजादेह ने कहा, ईरान ने सद्भावना से बातचीत की, युद्धविराम स्वीकार किया और सभी को बताया कि इस युद्धविराम में लेबनान सहित सभी देश शामिल होने चाहिए। लेकिन दूसरे पक्ष ने कहा कि वह इसके लिए प्रतिबद्ध नहीं है और फिर अत्याचार शुरू कर दिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए एक नई नियमावली लागू की जाएगी और यह सभी असैन्य जहाजों के आवागमन के लिए खुला और सुरक्षित रहेगा। ट्रंप ने धमकी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य की अमेरिकी नाकाबंदी जारी रहेगी और अगर ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हुआ तो फिर से हमले किए जाएंगे।

अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखी

ईरान के साथ वार्ता के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल सोमवार को पाकिस्तान पहुंचेगा : ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिकी वार्ताकार सोमवार को ईरान के साथ दूसरे दौर की बातचीत के लिए पाकिस्तान पहुंचेंगे। ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान अमेरिका द्वारा प्रस्तावित समझौते को स्वीकार नहीं करता है, तो वह ईरान में नागरिक बुनियादी ढांचे को नष्ट कर देंगे। ट्रंप की यह घोषणा अमेरिका और ईरान के बीच 11 और 12 अप्रैल को इस्लामाबाद में हुई प्रत्यक्ष वार्ता के एक सप्ताह बाद आई है, जिसका उद्देश्य संघर्ष को समाप्त करना था, लेकिन इस वार्ता में कोई समझौता नहीं हो सका। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, मेरे प्रतिनिधि कल शाम को वार्ता के लिए इस्लामाबाद जा रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने फॉक्स न्यूज से कहा, जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ पश्चिम एशिया की ओर रवाना हो रहे हैं। उनकी बैठक मंगलवार सुबह शुरू होगी। यह एक बहुत ही सरल समझौता है, वे इसके अधिकांश बिंदुओं पर सहमत हो गए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच आठ अप्रैल को हुए दो सप्ताह के संघर्षविराम समझौते की अवधि 22 अप्रैल को समाप्त होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य वार्ता के पहले दौर के दौरान प्रमुख विवादों में से एक था और शनिवार को इसे लेकर जारी गतिरोध तब और बढ़ गया, जब ईरान ने संकरे जलमार्ग को पार करने की कोशिश कर रहे जहाजों पर गोलीबारी की, जबकि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखी। रविवार को ट्रंप ने कहा, ईरान की किलिंग मशीन का अंत करने का समय आ गया है। ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान अमेरिका द्वारा प्रस्तावित समझौते को स्वीकार नहीं करता है, तो वह ईरान के नागरिक ढांचे को नष्ट कर देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हम एक बहुत ही उचित और तर्कसंगत प्रस्ताव दे रहे हैं, और मुझे उम्मीद है कि वे इसे स्वीकार करेंगे, क्योंकि, अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो अमेरिका ईरान के हर एक बिजली संयंत्र और हर पुल को ध्वस्त कर देगा।

अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की संभावित वार्ता से पहले पाकिस्तान में सुरक्षा बढ़ाई गई

इस्लामाबाद, भाषा। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित दूसरे दौर की बातचीत को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं होने के बावजूद पाकिस्तान ने विदेशी प्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए कड़े सुरक्षा इंतज़ाम शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, 11 और 12 अप्रैल को इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच प्रत्यक्ष वार्ता हुई थी, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच संघर्ष को समाप्त करना था, लेकिन यह बातचीत बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। पाकिस्तान ने इसके बाद कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं ताकि इस्लामाबाद में एक और दौर की बातचीत कराकर युद्ध समाप्त करने के लिए अंतिम समझौता किया जा सके। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 15 अप्रैल से सऊदी अरब, कतर और तुर्किए का दौरा किया, जबकि सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने विवादित मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए ईरान में तीन दिन बिताए। वार्ता की तारीख को लेकर हालांकि कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इस्लामाबाद और रावलपिंडी में प्रशासन द्वारा किए गए सुरक्षा उपायों से संकेत मिलता है कि जल्द ही एक बड़ा आयोजन होने की संभावना है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि यह असाधारण सुरक्षा व्यवस्था विदेशी प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही के कारण की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, रावलपिंडी में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है और 600 से अधिक चौकियां बनाई गई हैं।

बर्गर मंगाने का मामला : राजनीति में कभी-कभी दिखावे के लिए चीजें करनी पड़ती हैं : ट्रंप

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टिप पर कोई कर नहीं नीति के एक साल पूरे होने पर ओवल ऑफिस में बर्गर मंगवाने के अपने कदम को लेकर कहा कि राजनीति में कुछ शर्मिंदगी भरी चीजें दिखावे के लिए करनी पड़ती हैं। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को लास वेगास में आयोजित एक रैली में कहा, हम राजनीति में ये सब करते हैं। यह थोड़ा-सा शर्मिंदगी भरा है, लेकिन हम ऐसे काम करते हैं और आपको इसका फायदा भी होता है। ऑनलाइन डिलिवरी सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी डोरडैश की ओर से शैरोन सिमंस नाम की महिला ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय ओवल ऑफिस में बर्गर और फ्राइज के दो बैग पहुंचाए थे और व्हाइट हाउस ने कहा था कि टिप पर कोई कर नहीं नीति के कारण सिमंस ने 11,000 अमेरिकी डॉलर की बचत की थी। ट्रंप ने कहा कि प्रचार का यह कदम थोड़ा अजीब था। उन्होंने 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार अभियान के समय की उस घटना का भी जिक्र किया जब उन्होंने बर्गर की आपूर्ति करने वाली कंपनी में फ्राइज परोसे थे और एक सुरक्षा जैकेट पहनकर अभियान के लोगो वाले कचरा ट्रक में चढ़ गए थे। उन्होंने कहा, वे (प्रचार टीम) मैकडॉनल्ड्स जैसे अजीबो-गरीब विचार लेकर आते हैं... जैसे कूड़ा ढोने वाले ट्रक की घटना। डोर डैश को ओवल ऑफिस में बर्गर पहुंचाने वाली घटना को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। दरअसल कुछ लोगों का कहना था कि सिमंस ने पिछले साल जुलाई में कांग्रेस के समक्ष टिप पर कर नहीं नीति के समर्थन में गवाही दी थी।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के कैपिटल हिल में प्रदर्शनी आयोजित कर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को उजागर करेगा भारत

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका में भारतीय दूतावास पहलगाम में आतंकवादी हमले का एक वर्ष पूरा होने पर मंगलवार को कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद परिसर) में एक प्रदर्शनी आयोजित करेगा जिसमें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को उजागर किया जाएगा। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म (आतंकवाद की मानवीय कीमत) प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। यह प्रदर्शनी ऐसे समय में आयोजित की जा रही है जब पाकिस्तान 28 फरवरी को शुरू हुए अमेरिका-ईरान युद्ध में खुद को शांति स्थापित कराने वाले देश के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान स्थित संगठनों से जुड़े आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में पर्यटकों पर गोलीबारी की थी जिसमें 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई थी।

इस हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने पिछले साल जुलाई में भी संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इसी तरह की एक प्रदर्शनी आयोजित की थी। उस समय पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाली थी। कैपिटल हिल में आयोजित की जाने वाली डिजिटल प्रदर्शनी में दुनिया भर में हुए भीषण आतंकवादी हमलों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिनमें 1993 में मुंबई में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोट, 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले और पहलगाम आतंकवादी हमले को भी दिखाया जाएगा। इसमें प्रत्एक हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी संगठनों के नाम भी प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा जैसे पाकिस्तान स्थित कई संगठन एवं आतंकवादी शामिल हैं।

इटली में गुरुद्वारे से निकलते समय दो भारतीयों की गोली मारकर हत्या

» रोम, भाषा।

इटली में बर्गामो प्रांत के कोवो में दो भारतीयों की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वे एक गुरुद्वारे से बाहर निकल रहे थे। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह खबर दी। यह गुरुद्वारा एक गोदाम में था जिसका इस्तेमाल पूजा स्थल के रूप में किया जा रहा था। ला सिसिलिया अखबार के अनुसार, यह हमला शुक्रवार को मध्य रात्रि से कुछ देर पहले शहर के औद्योगिक क्षेत्र में गुरुद्वारा माता साहिब कौर जी के सामने स्थित चौक में हुआ। मृतकों की पहचान कोवो निवासी 48 वर्षीय रागिंदर सिंह और एव्नाडेलो निवासी 48 वर्षीय गुरमीत सिंह के रूप में हुई है।

अखबार की खबर के अनुसार, हमलावर कथित तौर पर इन लोगों के पास पहुंचा, उसने गोलियां चलाई और फिर कार में बैठकर फरार हो गया। खबर में कहा गया है कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, अचानक झड़प के बाद हत्या किए जाने की संभावना को खारिज किया गया है। घटनास्थल से लगभग 10 कारतूस बरामद किए गए हैं और अधिकारी सुनियोजित हत्या की संभावना को ध्यान में रखकर जांच कर रहे हैं। खबर के अनुसार, एक प्रत्यक्षदर्शी ने पत्रकारों को बताया कि गोली चलाने वाला एक भारतीय था जो अक्सर गुरुद्वारे में आता-जाता था। उसने बताया कि गोलियां एक अन्य तीसरे व्यक्ति को भी छूकर निकल गई।

अमेरिका के लुइसियाना में गोलीबारी में आठ बच्चों की मौत

» श्रेवेपोर्ट (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका के लुइसियाना में रविवार को घरेलू झगड़े में गोलीबारी में आठ बच्चों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पीड़ितों की उम्र एक से चौदह वर्ष के बीच है।

श्रेवेपोर्ट पुलिस प्रमुख वेन स्मिथ के अनुसार, गोलीबारी की घटना रविवार सुबह लगभग छह बजे हुई। उन्होंने बताया कि कुल 10 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि वे तीन स्थानों पर हुई इन घटनाओं के बारे में और जानकारी जुटा रहे हैं। स्मिथ ने कहा कि संदिग्ध हमलावर को पुलिस ने पीछा कर मार गिराया।

उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया ने रविवार को समुद्र की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया एवं जापान ने यह जानकारी दी। ये मिसाइल ऐसे समय में दागी गई हैं जब कुछ दिन पहले ही संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने परमाणु हथियार बनाने के उत्तर कोरिया के प्रयासों में बेहद गंभीर प्रगति की चेतावनी दी थी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने बताया कि उत्तर कोरिया के सिनपो क्षेत्र से दागी गईं ए मिसाइलें देश के पूर्वी समुद्री क्षेत्र की दिशा में करीब 140 किलोमीटर (87 मील) तक गईं।

जेसीएस ने कहा कि दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया की उकसाने वाली हर प्रकार की कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार है और वह अमेरिका एवं जापान के साथ सूचनाओं का निकटता से आदान-प्रदान कर रहा है। दक्षिण कोरिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने उत्तर कोरिया द्वारा बार-बार किए जा रहे बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) की आपात बैठक में चिंता जताई और उससे इन्हें तुरंत रोकने का आग्रह किया। ये प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के भारत और वियतनाम की यात्रा के लिए रवाना होने से कुछ घंटे पहले किए गए। अमेरिका और जापान की सेनाओं ने भी इन प्रक्षेपणों की पुष्टि की। अमेरिका के हिंद प्रशांत कमान ने कहा कि वह अपनी एवं क्षेत्र में अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। जापान ने कहा कि उसने इन प्रक्षेपणों को लेकर उत्तर कोरिया के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ये प्रक्षेपण क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरा हैं तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उन प्रस्तावों का उल्लंघन करते हैं जिनके तहत उत्तर कोरिया की किसी भी बैलिस्टिक गतिविधि पर रोक है। उत्तर कोरिया ने पिछले सप्ताह कहा था कि उसके नेता किम जोंग उन ने देश के विध्वंसक युद्धपोत से मिसाइल परीक्षणों की निगरानी की। इस परीक्षण के बाद किम ने कहा था कि उनकी सरकार का ध्यान अपने परमाणु बलों के असीमित विस्तार पर केंद्रित है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने भी पिछले सप्ताह कहा था कि उनकी एजेंसी ने उत्तर कोरिया के परमाणु केंद्रों में गतिविधियों में तेज बढ़ोतरी की पुष्टि की है। ग्रॉसी ने सियोल में संवाददाताओं से कहा था कि उत्तर कोरिया की गतिविधियां उसके परमाणु हथियार उत्पादन की क्षमता में बहुत गंभीर वृद्धि की ओर संकेत करती हैं।

लंदन में यहूदी विरोधी हमलों में ईरानी शासन से जुड़े लोगों की संलिप्तता की जांच की जा रही : पुलिस

» लंदन, भाषा।

लंदन महानगर पुलिस ने रविवार को कहा कि आतंकवाद विरोधी अधिकारी शहर के विभिन्न यहूदी स्थलों को निशाना बनाकर किए गए हमलों में ईरानी शासन से जुड़े लोगों की कथित संलिप्तता की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने जांच की अद्यतन जानकारी देते हुए कहा कि आतंकवाद रोधी पुलिस (सीटीपी) इन सभी घटनाओं की जांच का नेतृत्व कर रही है क्योंकि इन सभी घटनाओं की प्रकृति एक समान है। गत महीने से अबतक लंदन में इजराइल और यहूदियों से जुड़े परिसरों में आगजनी की कई घटनाएं हुई हैं। महानगर पुलिस की उप सहायक आयुक्त विक्की इवांस ने कहा, इनमें से अधिकांश घटनाओं की जिम्मेदारी ऑनलाइन माध्यम से अशहाब अल-यामीन (इस्लामिक मूवमेंट ऑफ द कंपैनियंस ऑफ द राइट) नामक समूह ने ली है।

इवांस आतंकवाद रोधी मामलों की वरिष्ठ राष्ट्रीय समन्वयक भी हैं। उन्होंने कहा, इसी समूह ने हाल के महीनों में पूरे यूरोप में यहूदियों और इजराइल से जुड़े पूजा स्थलों, व्यापारिक संस्थानों और वित्तीय संस्थानों में हुई कई घटनाओं की जिम्मेदारी ली है। महानगर पुलिस की वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के लगातार विस्तार होने की वजह से ब्रिटेन में उनकी टीम ईरानी शासन की आक्रामकता के खतरे के प्रति सचेत हैं। उन्होंने कहा, मैंने ईरानी शासन द्वारा आपराधिक गुर्गों के नियमित उपयोग के बारे में विस्तार से बात की है। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या लंदन में भी हिंसा के लिए इसी रणनीति का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन अपराधों को अंजाम देने वाले व्यक्तियों की अक्सर किसी भी उद्देश्य के प्रति कोई निष्ठा नहीं होती है और वे केवल पैसे के लिए अपराधों को अंजाम देते हैं। इस बीच, ब्रिटेन के मुख्य रब्बी (यहूदी धार्मिक नेता) ने रविवार को कहा कि लंदन के एक यहूदी प्रार्थना स्थल में आगजनी के प्रयास के बाद ब्रिटिश यहूदी हिंसा और धमकी के एक निरंतर अभियान का सामना कर रहे हैं, जो इसी तरह के हमलों की एक श्रृंखला में नवीनतम घटना है। केंटन स्थित यूनाइटेड सिनेगॉग (यहूदी पूजास्थल) को शनिवार को हुई घटना में मामूली क्षति हुई। इस प्रकरण की आतंकवाद रोधी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। मुख्य रब्बी एफ्रैम मिरविस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि ब्रिटेन के यहूदी समुदाय के खिलाफ हिंसा और धमकियों का एक निरंतर अभियान तेज़ी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ईश्वर का शुक्र है कि किसी की जान नहीं गई, लेकिन हम स्थिति बदलने का इंतज़ार नहीं कर सकते और न ही करना चाहिए, इससे पहले कि हम यह समझें कि यह क्षण हमारे पूरे समाज के लिए कितना खतरनाक है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने हमलों पर दुख व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि जिम्मेदार लोगों को ढूंढकर न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन दो दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे

कोलंबो, भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन रविवार सुबह दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और श्रीलंका के सदियों पुराने सभ्यतागत तथा लोगों के बीच परस्पर संबंधों को और मजबूत करना है। उपराष्ट्रपति 49 सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल के साथ कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां श्रीलंका के खेल मंत्री सुनील कुमार गामगे और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनका स्वागत किया। अधिकारियों के अनुसार, यह किसी भारतीय उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली आधिकारिक यात्रा है। राधाकृष्णन के आज श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके और प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या से भी मुलाकात करने की संभावना है। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान भी निर्धारित है। ये समझौते सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित होंगे, जिनमें चक्रवात दित्वा से जुड़ी परियोजनाएं, भारत सरकार की सहायता से पुनर्वास तथा विकास सहयोग शामिल हैं। राधाकृष्णन भारतीय मूल के तमिल समुदाय के नेताओं और श्रीलंका के उत्तरी एवं पूर्वी क्षेत्रों के तमिल नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। उपराष्ट्रपति आज कोलंबो में एक सामुदायिक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे, जहां वह भारतीय आवास परियोजना के तीसरे चरण के तहत भारत सरकार की सहायता से निर्मित मकानों को तमिल समुदायों के लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से सौंपेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि दोनों देशों के बीच हालिया उच्चस्तरीय संवादों के बाद हो रही इस यात्रा से भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने सभ्यतागत तथा लोगों के बीच परस्पर संबंधों के और मजबूत होने की उम्मीद है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन की अहम मुलाकात

उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत करने पर चर्चा की

» कोलंबो, भाषा।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को यहां श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके से मुलाकात की तथा बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक गहरा करने पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने भारतीय आवास परियोजना एवं मछुआरों के मुद्दों सहित दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच विभिन्न पहलों पर चर्चा की। श्रीलंका के दो दिवसीय दौरे पर आज सुबह यहां पहुंचे राधाकृष्णन ने दिसानायके के साथ देश में जारी भारतीय परियोजना के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की।कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खेल मंत्री सुनील कुमार गामागे और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने 49 सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल के साथ आए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का स्वागत किया।

अधिकारियों ने बताया कि राधाकृष्णन की यह यात्रा किसी भारतीय उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली यात्रा है। उन्होंने बताया कि राधाकृष्णन ने भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और विकास आधारित द्विपक्षीय सहयोग पर जोर दिया। राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, दोनों नेताओं ने साझा इतिहास और मजबूत सभ्यतागत रिश्तों पर आधारित बहुआयामी भारत-श्रीलंका संबंधों को प्रगाढ़ बनाने पर सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने विभिन्न पहल पर व्यापक चर्चा की, जिनमें भारतीय आवास परियोजना और श्रीलंका में चक्रवात दित्वा से प्रभावित क्षेत्रों के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पैकेज के तहत कार्यान्वित की जा रही परियोजनाएं शामिल हैं। चक्रवात के कारण भारतीय मूल के तमिल समुदाय के सबसे अधिक प्रभावित

क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और पुनर्वास के प्रयास पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने मछुआरों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए मानवीय दृष्टिकोण से मछुआरों से जुड़े मुद्दों को हल करने पर भी चर्चा की। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के संबंधों में एक विवादास्पद विषय है। श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने कोलंबो स्थित अपने आधिकारिक आवास पर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के लिए दोपहर के भोज की मेजबानी की। श्रीलंका में विपक्ष के नेता सजित प्रेमदासा ने भी कोलंबो में राधाकृष्णन से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। राधाकृष्णन ने श्रीलंका की तमिल पार्टियों के नेताओं से भी मुलाकात की। दिन के दौरान, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने यहां भारतीय प्रवासी समुदाय द्वारा आयोजित एक सामुदायिक स्वागत समारोह में भी भाग लिया, जिसमें उन्होंने भारत सरकार की सहायता से निर्मित घरों को ऑनलाइन रूप से तमिल समुदाय के लाभार्थियों को सौंपा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इसके साथ ही, तमिल समुदाय के लाभार्थियों को मिले घरों की कुल संख्या 50,000 तक पहुंच जाएगी, और परियोजना के चौथे चरण में 10,000 और घरों का निर्माण किया जा रहा है। बयान में कहा गया कि सोमवार को उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन नुवारा एलिया की यात्रा करेंगे, भारतीय आवास परियोजनाओं का दौरा करेंगे और स्थानीय तमिल समुदाय के साथ संवाद करेंगे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com